

लाइव इमेज-गाइडेड एंजियोप्लास्टी के साथ एम्स पटना में एडवांस्ड पीसीआई कार्यशाला का हुआ आगाज

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। आधुनिक हृदय चिकित्सा में सटीकता, तकनीकी उल्कृष्टता और वैश्विक विशेषज्ञता का अद्भुत संगम बुधवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), पटना में देखने को मिला, जहाँ दो दिवसीय एडवांस्ड टेक्नीक्स इन कोरोनरी बाइफरकेशन पीसीआई वर्कशॉप का पहला दिन लाइव इ मेज-गाइडेड एंजियोप्लास्टी, अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के मार्गदर्शन और उच्चस्तरीय वैज्ञानिक विमर्श के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण एम्स पटना की कार्डियक कैथेटराईजेशन लैब से इमेज-गाइडेड परक्यूटेनियस कोरोनरी इंटरवेंशन (पीसीआई) का लाइव प्रसारण रहा। इस जटिल प्रक्रिया का सफल संचालन जापान के साइसेईआई उत्सुनोमिया हॉस्पिटल के कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. केनिचिरो शिमोजी तथा एम्स पटना के कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष



डॉ. अनुपम भंभानी ने संयुक्त रूप से किया।

लाइव प्रक्रिया के दौरान विशेषज्ञों ने इंटरवैस्कुलर अल्ट्रासाउंड (आईवीयूस) के माध्यम से स्टेंट प्रत्यारोपण की वैज्ञानिक योजना, सटीक स्थापना तथा उपचार के परिणामों के मूल्यांकन की आधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि इंटरकोरोनरी इमेजिंग न केवल जटिल कोरोनरी रोगों के उपचार को अधिक सुरक्षित बनाती है, बल्कि प्रिसिजन पीसीआई की दिशा में

एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

इसके उपरांत आयोजित इंटरैक्टिव पैनेल चर्चा में वरिष्ठ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. शमशाद, डॉ. आशीष झा एवं डॉ. विपिन कुमार ने कोरोनरी बाइफरकेशन घावों के उपचार की नवीनतम रणनीतियों, तकनीकी चुनौतियों और व्यवहारिक चुनौतियों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। वहीं, वरिष्ठ कार्डियोवैस्कुलर सर्जन डॉ. संजीव कुमार एवं डॉ. पंगति कपूर ने वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता करते हुए अकादमिक



चर्चाओं को समृद्ध किया।

कार्यशाला का उद्घाटन एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक बिग्रेडियर प्रो. (डॉ.) राजू अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. भानु दुग्गल, प्रोफेसर, कार्डियोलॉजी एवं कुलपति, हैमवती नंदन बहुगुणा उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय, जापान से पथारे विशेषज्ञ डॉ. केनिचिरो शिमोजी, चिकित्सा अधीक्षक, डीनगण, कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया (सीएसआई) बिहार चैप्टर

धनबाद मंडल संसदीय समिति की बैठक का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर। धनबाद मंडल की हार्मडल संसदीय समितिद्ध की बैठक का आयोजन धनबाद मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया । इस बैठक में धनबाद मंडल क्षेत्राधिकार के माननीय सांसदगण उपस्थित थे । बैठक की अध्यक्षता माननीय सांसद श्री विष्णु दयाल राम जी द्वारा किया गया । माननीय सांसद श्री दुलू महतो, माननीय सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी तथा माननीय सांसद श्री कालीचरण सिंह बैठक में उपस्थित हुए ।

साथ ही माननीय केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रीअनूपमा देवी, केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री जीवन राम मांझी, माननीय केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी, केन्द्रीय माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ, सांसद मनीष जायसवाल, सांसद डॉ. राजेश मिश्र, सांसद डॉ. सरफराज अहमद,



माननीय सांसद श्री छोटे लाल, माननीय सांसद श्री आदित्य प्रसाद, माननीय सांसद श्री प्रदीप कुमार वर्मा तथा माननीया सांसद श्रीमती महुआ माजी के प्रतिनिधि आज की बैठक में उपस्थित थे । माननीय सांसदगण द्वारा जनहित से जुड़े मुद्दे एवं रेल के मंडल रेल प्रबंधक श्री अखिलेश मिश्र सहित मुख्यालय एवं मंडल के सर्वांगीण विकास तथा यात्री सुविधाओं में और वृद्धि एवं उसे सुदृढ़ करने के संबंध में बहुमूल्य सुझाव दिये गए । माननीय सांसदगण द्वारा आधारभूत संरचनाओं के विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा

करने पर बल दिया गया । साथ ही बैठक में भविष्य की कार्य योजनाओं पर भी विस्तृत चर्चा हुई । इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह, धनबाद मंडल के

सर्वांगीण विकास तथा यात्री सुविधाओं में और वृद्धि एवं उसे सुदृढ़ करने के संबंध में बहुमूल्य सुझाव दिये गए । माननीय सांसदगण द्वारा आधारभूत संरचनाओं के विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा

वाणिज्य प्रकोष्ठ ने पीएम मोदी को बिन्तांग आदिपूर्णा से सम्मानित होने पर दी बधाई

इंडोनेशिया ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से किया सम्मानित

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भाजपा वाणिज्य प्रकोष्ठ ने इंडोनेशिया द्वारा भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान बिन्तांग आदिपूर्णा से सम्मानित किए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रो. (डॉ.) जन्मान्न प्रसाद गुप्ता ने कहा कि यह सम्मान केवल पीएम मोदी का नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के गौरव, स्वाभिमान एवं सम्मान का सम्मान है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आज विश्व पटल पर एक सशक्त, विश्ववर्षीय एवं प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है। वहीं प्रदेश सह-संयोजक अमृतेष कुमार



गुप्ता ने कहा कि विश्व के अनेक देशों द्वारा पीएम मोदी को प्रदान किए गए अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की श्रृंखला भारत की विकासोन्मुखी नीतियों, प्रभावी कुटनीति तथा वैश्विक नेतृत्व की व्यापक स्वीकृति का प्रमाण है। हालिया सम्मान के साथ पीएम मोदी को विभिन्न देशों द्वारा प्रदान किए गए अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की संख्या 35 हो गई है।इस अवसर पर प्रदेश सह-संयोजक संजीव कुमार पाल,

के अध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार, संकाय सदस्य तथा राष्ट्रीय कोर्स निदेशक डॉ. अनुपम भंभानी उपस्थित रहे।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए डॉ. अनुपम भंभानी ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित आधुनिक सिमुलेशन तकनीकें अब चिकित्सकों को वास्तविक मरीजों पर प्रक्रिया करने से पहले जटिल परिस्थितियों का सुरक्षित अभ्यास करने का अवसर प्रदान कर रही हैं। इससे न केवल तकनीकी दक्षता बढ़ती है, बल्कि मरीजों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होती है।

अपने संबोधन में बिग्रेडियर प्रो. (डॉ.) राजू अग्रवाल ने कहा कि आधुनिक हृदय चिकित्सा का भविष्य सटीक तकनीक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और निरंतर कौशल विकास पर आधारित है। उन्होंने युवा हृदय रोग विशेषज्ञों का आह्वान किया कि वे नवीनतम इंटरवेंशनल तकनीकों में दक्षता प्राप्त कर मरीजों को विश्वस्तरीय, सुरक्षित एवं साध्य-आधारित उपचार उपलब्ध कराने में अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा।

अग्रणी भूमिका निभाएँ।

मुख्य अतिथि डॉ. भानु दुग्गल ने युवा कार्डियोलॉजिस्टों से चिकित्सा नैतिकता, मानवीय संवेदनशीलता और तकनीकी उत्कृष्टता के बीच संतुलन बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने एम्स पटना के कार्डियोलॉजी विभाग की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम देश में हृदय रोग उपचार की गुणवत्ता को नई दिशा देंगे।

कार्यशाला के दूसरे दिन कोरोनरी बाइफरकेशन पीसीआई की उन्नत तकनीकों पर विशेषज्ञ व्याख्यानों के साथ व्यापक हैंड्स-ऑन सिमुलेशन प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। युवा कार्डियोलॉजिस्ट अत्याधुनिक सिमुलेटरों पर विभिन्न जटिल क्लिनिकल परिस्थितियों में बाइफरकेशन स्टेंटिंग की आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक अभ्यास करेंगे, जिससे उनकी प्रक्रियात्मक दक्षता और निर्णय क्षमता को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा।

पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण से स्वच्छ पर्यावरण और सुदृढ़ ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। ए-20 एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर अनेक भ्रांतियों प्रचलित हैं। इन भ्रांतियों को दूर करने के उद्देश्य से तेल उद्योग की ओर से बिहार के राज्य स्तरीय समन्वयक (एसएलसी), बिहार ने सही तथ्यों एवं प्रामाणिक जानकारी को जनता के समक्ष प्रस्तुत किया है।

पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण एक प्रभावी एवं दूरदर्शी पहल के रूप में उभर रहा है, जो पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक सशक्तीकरण तथा ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। परंपरिक पेट्रोल में पौधों से प्राप्त एथाइल अल्कोहल (एथेनॉल) का मिश्रण कर देश स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के साथ-साथ कच्चे तेल के आयात पर अपनी निर्भरता भी कम कर रहा है।

एथेनॉल में ऑक्सीजन की उपस्थिति ईंधन के अधिक पूर्ण दहन में सहायक होती है। इसके परिणामस्वरूप वाहनों से निकलने वाले कार्बन मोनोऑक्साइड, हाइड्रोकार्बन तथा सूक्ष्म कणों (पार्टिकुलेट मैटर) के उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आती

है। स्वच्छ दहन से शहरी क्षेत्रों में धुंध (स्मॉग) उत्पन्न करने वाले प्रदूषकों का उत्सर्जन भी घटता है, जिससे वायु गुणवत्ता एवं जनस्वास्थ्य में सुधार होता है। एथेनॉल की ऑक्टेन रेटिंग सामान्य पेट्रोल की तुलना में अधिक होती है। पेट्रोल में इसके मिश्रण से ईंधन की समग्र ऑक्टेन गुणवत्ता बढ़ती है, जिससे इंजन की एंटी-नॉक क्षमता में सुधार होता है। इससे आधुनिक उच्च-दाब (हार्ड-कम्प्रेसन) इंजन अधिक दक्षता के साथ कार्य करते हैं तथा वाहन की गति एवं त्वरण (एक्सीलरेशन) बेहतर होता है। धरेलू स्तर पर उत्पादित एथेनॉल के उपयोग से आयातित पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्भरता घटती है। इससे वैश्विक तेल बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव एवं आपूर्ति संबंधी जोखिमों का प्रभाव कम होता है। एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम ने आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण लाभ प्रदान किए हैं। कच्चे तेल के आयात में कमी के कारण भारत ने वर्ष 2014-15 से अब तक विदेशी मुद्रा के रूप में 1.90 लाख करोड़ से अधिक की बचत की है।

डॉ प्रेम कुमार ने मंत्री लेशी सिंह के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की



पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में वीरचंद्र पटेल पथ स्थित नवनिर्मित विधायक आवासीय परिसर तथा संबंधित अन्य विषयों के संबंध में भवन निर्माण विभाग की मंत्री लेशी सिंह के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की।

इस बैठक में माननीय सदस्यों को नवनिर्मित विधायक आवासीय परिसर में हो रही समस्याओं एवं परिसर में अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा सभा सचिवालय के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु विधान सभा भुला में अतिरिक्त आवास उपलब्ध कराने एवं नए आवासीय परिसर के निर्माण के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा हुई।

माननीय अध्यक्ष डॉ॰ प्रेम कुमार ने माननीय मंत्री को माननीय सदस्यों के लिए नवनिर्मित विधायक आवासीय परिसर की विभिन्न समस्याओं एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी से अवगत कराया। बैठक में सभा सचिवालय के कार्यबल के अनुरूप गर्दनीबाग, पटना स्थित आवासीय परिसर के ब्लॉक ए, बी, सी एवं डी में अतिरिक्त आवास उपलब्ध कराने पर भी विचारझाविमर्श हुआ। साथ ही, सभा सचिवालय के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु आवास की कमी को देखते हुए नए आवासीय परिसर के निर्माण पर चर्चा हुई।

माननीय मंत्री श्रीमती लेशी सिंह ने माननीय अध्यक्ष को आश्चस्त किया कि नवनिर्मित विधायक आवासीय परिसर की विभिन्न समस्याओं को शीघ्र दूर कर दिया जायेगा एवं परिसर में मूलभूत सुविधाओं को भी शीघ्र बहाल किया जायेगा। उन्होंने गर्दनीबाग, पटना स्थित आवासीय परिसर के ब्लॉक ए, बी, सी एवं डी में अतिरिक्त आवास उपलब्ध कराने पर सहमति व्यक्त की। साथ ही, उन्होंने सभा सचिवालय के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु आर ब्लॉक के समीप नए बहुमंजिले आवासीय परिसर के निर्माण पर सहमति व्यक्त की।इस बैठक में भवन निर्माण विभाग के सचिव श्री प्रणव कुमार एवं सभा सचिवालय के वरीय पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

पढ़ेंगी बेटियां, बढ़ेंगी बेटियां, अब न डरेंगी बेटियां : शिक्षा मंत्री बोले-बेटियां होंगी सशक्त, आत्मरक्षा का मिलेगा प्रशिक्षण

भोजपुरी अभिनेत्री पाखी हेगड़े ने शिक्षा मंत्री से की मुलाकात



पटना। बिहार की बेटियों को आत्मरक्षा के क्षेत्र में सशक्त बनाने की दिशा में नई पहल की संभावना बनी है।कनाटक की मूल निवासी, भोजपुरी फिल्मों की अभिनेत्री और शिक्षिका रहीं पाखी हेगड़े ने बुधवार को शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी से मुलाकात कर छात्राओं को विन चुंग आर्ट की ट्रेनिंग देने की इच्छा जताई।कनाटक की मूल निवासी और पूर्व शिक्षिका रहीं पाखी ने कहा कि आत्मरक्षा का प्रशिक्षण बेटियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाएगा। उन्होंने बिहार की छात्राओं के लिए इस संबंध में एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने का प्रस्ताव रखा।शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने इस पहल का स्वागत करते हुए उनसे विस्तृत कार्ययोजना और प्रस्ताव उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार बेटियों की शिक्षा के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व विकास, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता पर भी विशेष ध्यान दे रही है।

श्री तिवारी ने कहा कि आज बेटियां हर क्षेत्र में उर्कट प्रदर्शन कर रही हैं। शिक्षा, खेल, विज्ञान, प्रशासन और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। आत्मरक्षा का प्रशिक्षण उन्हें और अधिक आत्मनिश्चयासी तथा सशक्त बनाएगा। मुलाकात के दौरान बालिका शिक्षा, महिला सशक्तीकरण तथा छात्राओं के सर्वांगीण विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी सकारात्मक चर्चा हुई।

बिहार की नर्सरियों को रोजगार सृजन और किसानों की आय वृद्धि का मजबूत आधार बनाना चाहती है सरकार: विजय

15 जुलाई तक ग्रामीण क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट लगाने का काम पूरा करें: मंत्री

■ बिहार की नर्सरियाँ को अत्याधुनिक बनाने एवं राष्ट्रीय स्तर की पहचान दिलाने के लिए मीठापुर स्थित कृषि मवन में कृषि मंत्री ने की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राज्य सरकार बिहार की नर्सरियों को केवल पौध उत्पादन का केंद्र नहीं, बल्कि रोजगार सृजन, उद्यमिता, हरित अर्थव्यवस्था और किसानों की आय वृद्धि का मजबूत आधार बनाना चाहती है। बागवानी के क्षेत्र में बिहार के पास असीम संभावनाएं हैं और यदि गुणवत्तापूर्ण पौध उत्पादन एवं आधुनिक प्रबंधन को बढ़ावा दिया जाए तो बिहार राष्ट्रीय स्तर पर अपनी

विशिष्ट पहचान स्थापित कर सकता है। ये बातें कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बुधवार को कहीं। वे बिहार की नर्सरियों को अत्याधुनिक बनाने एवं राष्ट्रीय स्तर की पहचान दिलाने के लिए कृषि विभाग के सभागार में राज्य के नर्सरी संचालकों, किसानों, उद्यमियों एवं अन्य हितधारकों के साथ बैठक कर रहे थे। बैठक में नर्सरी क्षेत्र के समग्र विकास,

गुणवत्तापूर्ण पौध उत्पादन, आधुनिक तकनीकों के विस्तार, प्रमाणन व्यवस्था तथा किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और सुधार आधारित सुशासन की भावना के अनुरूप सरकार ऐसी व्यवस्था विकसित कर रही है,

जिसमें लोगों को दौड़ित करने के बजाय स्वयं सुधार करने का अवसर मिले।

जो व्यक्ति या संस्था नियमों का पालन करेगी, उसे सरकार हरसंभव सहयोग देगी, जबकि बार-बार नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मंत्री ने कहा कि नर्सरी क्षेत्र में डिजिटल तकनीकों का अधिकाधिक उपयोग, स्व-प्रमाणीकरण आधारित पारदर्शी व्यवस्था, प्रमाणित एवं गुणवत्तापूर्ण पौध उत्पादन, नियमित प्रशिक्षण, वैज्ञानिक प्रबंधन तथा समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इससे न केवल किसानों को गुणवत्तापूर्ण पौध उपलब्ध होंगे, बल्कि उपभोक्ताओं का विश्वास भी बढ़ेगा और बिहार की नर्सरियों की विश्वसनीयता राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत होगी। उन्होंने कहा

कि सरकार का लक्ष्य बिहार को गुणवत्तापूर्ण पौध उत्पादन, आधुनिक नर्सरी प्रबंधन और बागवानी नवाचार का राष्ट्रीय हब बनाना है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि, युवाओं के लिए नए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर तथा पर्यावरण संरक्षण तीनों उद्देश्यों को एक साथ गति मिले। संवाद कार्यक्रम के दौरान नर्सरी संचालकों एवं अन्य हितधारकों ने अपनी समस्याओं एवं सुझावों को विस्तार से रखा।

माननीय मंत्री ने सभी सुझावों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कार्रवाई का आवासन देते हुए कहा कि सरकार किसानों एवं हितधारकों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखेगी तथा उनके सहयोग से बिहार के नर्सरी क्षेत्र को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित करने के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगी।



■ एजेंसियों को मानवबल की संख्या बढ़ाकर काम तेज करने का निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पंचायती राज विभाग के मंत्री दीपक प्रकाश ने राज्य की पंचायतों में मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के तहत 15 जुलाई तक शेष सभी स्ट्रीट लाइटें लगाने का सख्त निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इसमें कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बुधवार को विभागीय सभागार में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में माननीय मंत्री ने विभागीय अधिकारियों और 26 एजेंसियों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि 15 जुलाई तक हर पंचायत में स्ट्रीट लाइट लगाकर योजना को पूर्ण रूप से लागू करना है। यह मुख्यमंत्री सप्ताह चौधरी की प्राथमिकता वाली योजना है और इसे सफल बनाने की जिम्मेदारी हम सबकी है।

लापरवाह एजेंसियों पर विभागीय नियमानुसार कार्रवाई: मंत्री ने निर्देश दिया गया कि जिन जिलों में समयय सोलर लाइट नहीं लगाई गई है, उनपर

योजना की जिलेवार होगी जांच

माननीय मंत्री ने मुख्यालय स्तर से योजना की बारीकी से समीक्षा करने का निर्देश देते हुए कहा कि जिलेवार स्थिति की जांच सुनिश्चित की जाए। अगर स्थल निरीक्षण में फ्रॉड पाया गया तो एजेंसी को बख्शा नहीं जाएगा। काम में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

एजेंसी मानवबल की संख्या बढ़ाएं

बैठक में स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत, रखरखाव और तकनीकी निगरानी पर भी विस्तार से चर्चा हुई। माननीय मंत्री ने कहा कि 15 जुलाई तक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एजेंसी मानवबल की संख्या बढ़ाये तथा काम तय समय तक पूरा करेंगे।

शिकायत निराकरण पर जोर

केंद्रीकृत निगरानी प्रणाली (सीएमएस) ऐप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का निवारण समयय करने का निर्देश सभी एजेंसियों को दिया गयो साथ ही शिकायत निवारण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश सीएमएस एवं सभी एजेंसी को दिया गया। मंत्री ने सीएमएस पोर्टल पर सोलर स्ट्रीट लाइट के सिम रिचार्ज के दस्तावेज अपलोड करने की भी समीक्षा की और इसमें सुधार का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान माननीय मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता है। एजेंसियों के नंबर पर आने वाली शिकायतों की स्थिति की समीक्षा विभाग स्तर पर होनी चाहिए। हर शिकायत का 24-48 घंटे के अंदर निराकरण सुनिश्चित हो।

सोलर स्ट्रीट लाइटों का इंटीग्रेशन

विभाग के सचिव श्री मनोज कुमार ने कहा कि सभी एजेंसी 15 जुलाई तक सोलर स्ट्रीट लाइटों को लगाते हुए उसका शत-प्रतिशत इंटीग्रेशन करवाना सुनिश्चित करेंगे। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। पहले और दूसरे चरण की एजेंसियों को 15 दिनों के अंदर शेष काम पूरा करने का निर्देश दिया। सचिव ने कहा कि अधिक समय तक लाइट फॉल्ट रहने पर एजेंसी को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। यह प्रवाधान सख्ती से लागू होगा।

नियमानुसार दंड लगाया जाए। सख्त लहजे में कहा कि लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों का एक्सीमेंट तत्काल रूप से रद्द किया जाएगा और संबंधित कंपनियों को ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा। नए

सिरे से एजेंसियों का चयन करके काम शुरू किया जाएगा। देर करने वाली एजेंसियों पर पेनाल्टी लगाई जाएगी और संबंधित जिलों के अधिकारियों से जवाब तलब किया जाएगा।



पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री एवं युवा तुर्क चन्द्रशेखर की पुण्यतिथि राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल की अध्यक्षता में मनाई गई। इस अवसर पर नेताओं ने उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मंगनी लाल मंडल ने कहा कि चंद्रशेखर युवा तुर्क नेता के रूप में सामने आये जिसने दृढ़ता, साहस एवं ईमानदारी के साथ निहित स्वार्थ के खिलाफ लड़ाई लड़ी। वैचारिक और सामाजिक परिवर्तन की राजनीति का समर्थन किया। इस अवसर पर माल्यार्पण करने वालों में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ सुनील कुमार सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता सह पूर्व विधायक शक्ति सिंह यादव, डॉ अनवर आलम, दैनानाथ सिंह यादव, उज्ज्या यादव, प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी सुकुंद सिंह, निर्भय अम्बेदकर, मौ फैयाज आलम कमाल, मदन शर्मा, संजय यादव सहित अन्य गणमान्य नेताओं ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

टीबी मुक्त भारत अभियान अब बनेगा जन-आंदोलन: मंगल

पटना।[पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश सिंह द्वारा टीबी उन्मूलन को लेकर बुलाई गई हाई लेवल बैठक के निर्णयों का स्वागत किया है। देश से टीबी को जड़ से खत्म करने के लिए युवाओं, मेडिकल छात्रों, एनसीसी कैडेट्स और रक्षा कर्मियों को इस अभियान से जोड़ना एक क्रांतिकारी कदम साबित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा देश के युवाओं की शक्ति पर भरोसा जताया है। मुख्यमंत्री सप्ताह चौधरी जी के ऊजालान नेतृत्व में बिहार का स्वास्थ्य विभाग पूरी मुस्तेदी से काम कर रहा है। केंद्र सरकार की टीबी मुक्त भारत टोली मॉडल और लीड निक्षय मित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम को बिहार में पूरी ताकत के साथ धरातल पर उतारा जा रहा है, जिससे राज्य में टीबी के मामलों में तेजी से गिरावट आ रही है। श्री पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में टीबी मुक्त भारत अभियान को एक सरकारी कार्यक्रम से ऊपर उठाकर अब एक राष्ट्रव्यापी जन-आंदोलन का रूप दिया जा रहा है, जो बेहद सराहनीय है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नन्हा जी की प्रशंसा करते हुए पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि नन्हा जी की दूरदर्शी सोच के कारण ही आज स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ-नन्हा युवा कार्यक्रम, श्रम एवं रोजगार और रक्षा मंत्रालय मिलकर इस राष्ट्रीय मिशन में एकजुट हुए हैं। स्वयंसेवकों और एनसीसी कैडेट्स की भागीदारी बढ़ने से गांवों और शहरों के अंतिम व्यक्ति तक टीबी जांच और जागरूकता की पहुंच सुनिश्चित होगी। श्री पांडेय ने बिहार में टीबी उन्मूलन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि राज्य में पूर्व से ही टीबी के खिलाफ व्यापक स्तर पर कार्य किए गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में उनके स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए राज्य में निक्षय पोषण योजना के तहत डीबीटी के माध्यम से मरीजों को पौष्टिक आहार के लिए सीधे बैंक खाते में सहायता राशि भेजने की व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया था।

प्रदेश कार्यालय पहुंचे नीतीश कुमार, नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से की आत्मीय भेंट



प्रात : किरण संवाददाता गतिविधियों की जानकारी ली। उनके आगमन से पूरे परिसर में उत्साह और ऊर्जा का वातावरण देखने को मिला। के प्रदेश मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आगमन हुआ। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश कार्यालय का भ्रमण कर वहां की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। प्रदेश कार्यालय में उपस्थित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से नीतीश कुमार ने आत्मीय भेंट की और संगठन की

प्रत्येक मरीज को समय पर बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता : निशांत

- जनसुनवाई में स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने सुनी फरियादियों की समस्याएँ,
- अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश
- परिवहन मंत्री दामोदर रावत एवं आपदा प्रबंधन मंत्री रवेश सदा ने भी सुनी विमागीय समस्याएँ

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने प्राप्त आवेदनों के विधिसम्मत एवं त्वरित निषादन के लिए मौके पर ही दूरभाष के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर परिवहन मंत्री दामोदर



रावत एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री रव 'ेश सदा ने भी अपने-अपने विभागों से संबंधित मामलों की सुनवाई करते हुए उनके शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक पहल की। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा तथा विधान परिषद में सतारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी भी उपस्थित रहे।

इस मौके पर माननीय स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े, प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे। इसी उद्देश्य के साथ स्वास्थ्य

विभाग निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रत्येक मरीज को समय पर बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बनाए रखने तथा अस्पतालों के बुनियादी ढाँचे को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में सरकार लगातार प्रभावी कदम उठा रही है।

राजमार्गों के निर्माण कार्यों की समीक्षा, यूटिलिटी शिफ्टिंग पर सचिव ने जारी किए दिशा निर्देश

- यूटिलिटी शिफ्टिंग और अन्त्य मंजूरियों के लिए विभागों में नियुक्त होंगे एक-एक नोडल अधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पथ निर्माण विभाग के सचिव सचिव पंकज कुमार पाल की अध्यक्षता में बुधवार को यूटिलिटी शिफ्टिंग को लेकर उच्चस्तरीय बैठक संपन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों, राजमार्गों, ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे

और नए बाईपासों के निर्माण में आ रहे अवरोधों की समीक्षा की गई। सचिव श्री पाल ने मुख्य रूप से विद्युत पोल/तार स्थानांतरण, नहर क्रॉसिंग अनापत्ति और जलापूर्ति पाइपलाइनों के स्थानांतरण से संबंधित प्रगति की जानकारी ली।

अधिकारियों ने सचिव को बताया कि अरवल-बिहार शरीफ फोर-लेन परियोजना की राह में आने वाले बिजली के खंभों एवं हाई-टेंशन लाइनों को हटाने के लिए अरवल, जहानाबाद, पटना ग्रामीण और एंकरसराय विद्युत प्रमंडलों में संयुक्त

सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है। सचिव ने प्राक्कलनों को तुरंत अंतिम रूप देकर यूटिलिटी शिफ्टिंग का कार्य शुरू करने का निर्देश दिया।

इस बैठक में पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे परियोजना, मशरख-चक्रिया-भिद्रामोड़ (राम जानकी मार्ग), जयनगर उत्तरी एवं दक्षिणी बाईपास परियोजना, बेतिया-मंगलपुर सड़क परियोजना, मुफफ्फरपुर-सीतामढ़ी-सोनबरसा फोरलेन, मणिकपुर-साहिबगंज मार्ग आदि की प्रगति और निर्माण कार्यों के लिए आवश्यक भूमि, बिजली के खंभों

हो गया है। जब उसका जड़ से उन्मूलन होगा तभी वह समाप्त हो पाएगा। सरकारी नौकरी में लोग आते हैं और भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों में जब भय होगा कि भ्रष्टाचार करने पर कठोर कार्रवाई करने की अपील की। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार दीमक की तरह

वहीं, एडीजी सिंधि व्यवस्था केएस अनुपम ने कहा कि भ्रष्टाचार केवल महिलाओं को रोकने से नहीं रुकेगा। इसमें पुरुषों को ध्यान देना होगा। लोगों की मानसिकता में ही भ्रष्टाचार बैठ गया है। इस मानसिकता को बदलने की जरूरत है। यहां सरकारी नौकरी में सबसे ज्यादा लोग है इसके बावजूद यहां भ्रष्टाचार क्यों है। उन्होंने कहा कि नौकरी में आने के बाद लोग कम से कम दो शपथ जरूर लेते हैं। इसके बाद भी भ्रष्टाचार करते हैं। इसका बुरा असर उनके बच्चों पर पड़ता है। संबोधन करने वालों में अधिवक्ता आनंदी सिंह, जेडी मिमेंस कॉलेज के प्राध्यापक डॉ. हीना रानी आदि शामिल हैं। अतिथियों का स्वागत आईजी निगरानी गरिमा मलिक ने किया। इस मौके पर प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

गंगवार ने की। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बिहार राजस्व पर्यटन के अध्यक्ष हरजीत कौर ने तेजी से बढ़ रहे भ्रष्टाचार पर अपनी विचार खुलकर रखी और उसे जड़ से समाप्त करने के लिए कठोर कार्रवाई करने की अपील की। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार दीमक की तरह



प्रात : किरण संवाददाता गया। सप्ताह के अंतिम दिन भ्रष्टाचार की रोकथाम में परिवार और महिलाओं की योगदान विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के महानिदेशक जितेंद्र सिंह



मुजपफरपुर

अनुसंधान परिषद की बैठक में जलवायु- स्मार्ट एवं तकनीक आधारित शोध रोड मैप हुआ तय

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।डॉ. राजेंद्र प्रसाद के द्नीय कृषि विश्वविद्यालय में चल रही 21वीं अनुसंधान परिषद की तीन दिवसीय बैठक का बुधवार को समापन हो गया। समापन सत्र की अध्यक्षता कुलपति डॉ. पी. एस. पांडेय ने की जबकि विशेषज्ञ के रूप में नवसारी एवं जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ ए के पाठक , भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान मोदीपुरम के पूर्व निदेशक डॉ बी गंगवार एवं बिहार सरकार के अतिरिक्त कृषि निदेशक डॉ प्रमोद कुमार शामिल हुए। बैठक में अगले वर्ष के लिए शोध परियोजनाओं एवं जलवायु-स्मार्ट और तकनीक-आधारित शोध का बडैम्प तय किया गया।अनुसंधान परिषद के समापन समारोह में अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति डॉ. पी. एस. पांडेय ने वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि हमारे वैज्ञानिक प्रयास सीधे तौर पर



बिहार और भारत के किसानों के प्रति जवाबदेह होने चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में बाह्य संपोषित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं के अतिरिक्त लगभग दो सौ अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। इन सभी परियोजनाओं के निष्कर्षों को किसानों के लिए प्रस्तुत किया जा सकेगा। अनुसंधान परिषद की बैठक में डॉ. विशाल कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियंत्रण ने गेहूँ के लिए आईओटी आधारित रियल टाइम भंडारण निगरानी, डिजिटल कृषि और मूल्य संवर्धन के माध्यम से ही हम किसानों की आय बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में आईओटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी नई तकनीकों पर अनुसंधान में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और उन्हें उम्मीद

है कि अगले वर्ष केवीकै और एफपीओ के माध्यम से विश्वविद्यालय इन तकनीकों को गांव-गांव तक पहुंचाने का प्रयास करेगा। अनुसंधान परिषद की बैठक में प्रभेद एवं तकनीक रिलीज समिति में उच्च उपज वाली मक्का की दो संकर किस्में राजेंद्र हाइब्रिड मक्का-5 और राजेंद्र हाइब्रिड मक्का-6 को रिलीज के लिए प्रस्तुत किया गया। इनका उपयोग उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ इथेनॉल उत्पादन में भी किया जा सकेगा। अनुसंधान परिषद की बैठक में डॉ. विशाल कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियंत्रण ने गेहूँ के लिए आईओटी आधारित रियल टाइम भंडारण निगरानी, डिजिटल कृषि और मूल्य संवर्धन के माध्यम से तापमान, नमी और अनाज की गुणवत्ता की लगातार निगरानी होगी, जिससे भंडारण में होने वाली हानि को काफी हद तक कम किया जा सकेगा। यह संसर बेस्ड आईओटी तकनीक आने वाले

समय में भंडारण के दौरान होने वाले अन्न के नुकसान को कम करने में सहायक होगा। अनुसंधान परिषद के सदस्यों ने इस तकनीक को काफी सराहा इसके अलावा डॉ. एस. पी. लाल द्वारा विकसित स्केल कैल्कुलेटर: थर्डरन साइकोमेट्रिक विश्लेषण के लिए कम्प्यूटेशनल टूल को भी सामाजिक-आर्थिक शोध की सराहना की गई। बैठक में विश्वविद्यालय द्वारा वित्तपोषित लगभग दो सौ अन्य शोध प्रस्तावों की समीक्षा की गई और उन्हें तेजी से पूर्ण करने के लिए आवश्यक सुझाव दिए गए। इनमें आर्टिफिशियल आधारित फसल उपज और मूल्य पूर्वानुमान, रिमोट सेंसिंग से मुद्दा एवं सूखा निगरानी, प्राकृतिक खेती प्रोटोकॉल, आर्सेनिक का जैव उपचार और सतत मत्स्य पालन मॉडल से संबंधित अनुसंधान भी शामिल हैं।परिषद ने विश्वविद्यालय में चल रही 15 अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं की भी समीक्षा की।

बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदूषित वातावरण के कारण आसपास के दर्जनों गांवों में सामाजिक जीवन भी प्रभावित हुआ है और विवाह जैसे रिश्तों में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई निजी विद्यालयों पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ा है।

उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष दिसंबर में तत्कालीन डीएम सुब्रत कुमार सेन ने स्थल का निरीक्षण कर शीघ्र कचड़ा निष्पादन का आश्वासन दिया था, लेकिन निर्धारित समयसीमा में कार्य पूरा नहीं हो सका। नगर निगम की समयसीमा भी विफल रही, जिसके बाद विधानसभा की प्रावकलन समिति की बैठक में उन्होंने प्रधान सचिव के समक्ष इस समस्या का समाधान कराने की मांग उठाई थी। विभागीय मंत्री नीतीश मिश्रा एवं प्रधान सचिव के निर्देश पर स्वच्छता निदेशक

सह अपर सचिव विजय मीणा तथा नगर आयुक्त ऋतुराज प्रताप सिंह ने डॉपिंग यार्ड का निरीक्षण किया। विजय मीणा ने रचीकार किया कि यहां लगभग एक लाख मीट्रिक टन कचड़ा जमा है और इससे स्थानीय लोगों की परेशनियां बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि कचड़ा निष्पादन के लिए एजेंसी का चयन कर लिया गया है तथा आवश्यक मशीनों भी पहुंच चुकें हैं। मौसम अनुकूल रहने पर एन सप्ताह के भीतर कार्य तेज गति र शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि यहां आधुनिक एमआरएफ प्लांट स्थापित किया जाएगा, जहां सूखे और गीले कचरे का वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण होगा। गीले कचरे से गैस तैयार कर तेल कंपनियों को उपलब्ध कराने की भी विभागीय योजना है। अधिकारियों के आश्वासन के बाद स्थानीय लोगों का आक्रोश शांत हुआ।

दहेज हत्या मामले में बीडीओ गिरफ्तार प्रेम- प्रसंग की भी जांच

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मिठनपुरा थाना क्षेत्र में हुई एक महिला की संदिग्ध दहेज हत्या मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतका के पति एवं जाले (दरभंगा) के प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 5 जुलाई को सीतामढ़ी जिले के बेला थाना क्षेत्र निवासी राजकुमार ने मिठनपुरा थाना में लिखित आवेदन देकर आरोप लगाया था कि उसकी बहन को विवाह के बाद उसके पति,

सास, देवर एवं अन्य ससुराल पक्ष के लोग 10 लाख दहेज की मांग को लेकर लगातार मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते थे। आवेदन में दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर उसकी हत्या कर दिए जाने का आरोप लगाया गया है। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि मृतका के पति का किसी अन्य महिला के साथ कथित प्रेम-प्रसंग था, जिसके कारण भी मृतका को प्रताड़ित किया जाता था। मामले में मिठनपुरा थाना काफ़ी दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। घटनास्थल पर एफएमएल टीम को भेजकर वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए गए। मामले के गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक (नगर)

के अनुश्रवण तथा अपर पुलिस अधीक्षक, नगर-01 के नेतृत्व में विशेष जांच दल का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतका के पति मनोज कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, पृछताछ एवं अनुसंधान के दौरान अभियुक्त के किसी अन्य महिला के साथ प्रेम-प्रसंग होने की बात भी सामने आई है। पुलिस सभी महत्वपूर्ण पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है गिरफ्तार अभियुक्त को पांच से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में सलिलन अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है तथा आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

महादलित टोले में नल-जल योजना फेल, 50 परिवार प्रभावित

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के मुसहरी प्रखंड के मुसहरी उर्फ राधानगर पंचायत के वार्ड संख्या-5 स्थित महादलित टोला में मुख्यमंत्री नल-जल योजना ग्रामीणों के लिए बेअसर साबित हो रही है। आरोप है कि योजना के तहत पाइपलाइन और नल तो लगाए गए, लेकिन आज तक एक बूंद भी पानी का आपूर्ति नहीं हो सका है। इसके कारण करीब 50 परिवारों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार भीषण गर्मी और बरसात के मौसम में भी उन्हें स्वच्छ पेयजल के लिए इधर-उधर लेकर पानी पड़ रहा है। वार्ड पति महादेव पासवान ने बताया कि इस समस्या को ठेक कई बार पीपेचर्ड्री विभाग में आवेदन दिया गया और संबंधित अधिकारियों से फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन न तो कॉल रिसीव किया गया और न ही अब तक कोई ठोस कार्रवाई हुई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सरकार की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना उनके वार्ड में पूरी तरह विफल साबित हुई है। लोगों का कहना है कि योजना पर खर्च होने के बावजूद उन्हें इसका कोई लाभ नहीं मिल रहा है, जिससे उनमें भारी नाराजगी है। पेयजल संकट से परेशान ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। वार्ड पति ने जिलाधिकारी से मामले की जांच कराते हुए जल्द से जल्द नल-जल योजना को चालू कराने की अपील की है, ताकि महादलित टोला के करीब 50 परिवारों को स्वच्छ और नियमित पेयजल उपलब्ध हो सके।

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के मिठनपुरा थाना पुलिस ने कालीबाड़ी रोड में छापेमारी कर स्मैक तस्करी के एक चैंकाने वाले पारिवारिक सिंडिकेट का पदाधिकारी किया है। पुलिस के अनुसार, एक ही परिवार की तीन पीढ़ियां—दादा, पिता और पोता—कथित तौर पर मिलकर स्मैक की खरीद, पैकिंग और सप्लाई का कारोबार चला रहे थे। कार्रवाई के दौरान 19 वर्षीय राहुल कुमार को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसका दादा शिवशंकर शर्मा मौके से फरार हो गया। राहुल का पिता ओमप्रकाश शर्मा भी पुलिस की तलाश में है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कुल 1000 पुड़िया (367.5 ग्राम) स्मैक, एक इलेक्ट्रॉनिक

तराजू और एक स्मार्टफोन बरामद किया है। मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में तलाशी के दौरान राहुल कुमार की पैंट की दोनो जेबों से 50-50 पुड़िया स्मैक मिली। इसके बाद कालीबाड़ी रोड स्थित एक झोपड़ी की तलाशी ली गई, जहां चौकी पर बिछे बिस्तर के नीचे 900 पुड़िया स्मैक और नशे की पुड़िया तैयार करने में इस्तेमाल होने वाला इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद हुआ। पुलिस पृछताछ में गिरफ्तार राहुल ने बताया कि वह अपने दादा शिवशंकर शर्मा और पिता ओमप्रकाश शर्मा के साथ मिलकर थोक में स्मैक खरीदता था। झोपड़ी की ही पैकिंग और भंडारण का अड्डा बनाया गया था, जहां दादा और पिता स्मैक की छोटी-छोटी पुड़िया तैयार करते थे। इसके बाद राहुल शहर

के विभिन्न चौक-चौराहों और गलियों में इसकी सप्लाई करता था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के समय भी वह 100 पुड़िया स्मैक लेकर ग्राहकों तक पहुंचाने निकला था। मिठनपुरा थाना में इस मामले में एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। अनुसंधानकर्ता पंकज कुमार ने बताया कि फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस सूर नेवकर्त की जांच कर रही है और इस सिंडिकेट से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाल रही है। अधिकारियों का कहना है कि शहर में नशीले पदार्थों के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और फरार आरोपितों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

शादी का झांसा देकर युवती से 54 हजार की ठगी

मुजफ्फरपुर। जिले में शादी का झांसा देकर युवती से ठगी और धोखाधड़ी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। सकरा थाना क्षेत्र की रहने वाली एक युवती ने आरोप लगाया है कि एक युवक ने खुद को भारतीय सेना का जवान बताकर पहले प्रेमजाल में फंसाया, फिर शादी का वादा कर उससे 54,500 रुपये ँट लिए। बाद में युवती को पता चला कि आरोपित पहले ही किसी दूसरी युवती से शादी कर चुका है। पीड़िता ने सदर थाना में दर्ज कराया ग ए आवेदन में बताया कि आरोपित उससे लगातार संपर्क में रहता था और भरोसा जीतने के लिए सेना की वर्दी पहनकर तथा हाथ में बंदूक लेकर वीडियो कॉल करता था। शादी का भरोसा दिलाकर उसने अलग-अलग तरीकों में अपनी जरूरतों का हावला देते हुए कुल 54,500 रुपये ले लिए। कुछ समय बाद युवती को जानकारी मिली कि आरोपित ने चोरी-छिपे किसी अन्य लड़की से शादी कर ली है। सच्चाई जानने और अपना हक मांगने जब वह आरोपित के घर पहुंची तो उसके साथ कथित तौर पर अश्रद् व्यवहार किया गया और मारपीट भी की गई। युवती की शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने पताही निवासी मुख्य आरोपित मो. अस्मान समेत कुल छह लोगों के खिलाफ नामजद प्रार्थमिकी दर्ज की है। पुलिस का कहना है कि आवेदन के आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है और सभी आरोपों की जांच की जा रही है। साथ ही आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि शादी या रिश्ते के नाम पर किसी भी व्यक्ति पर बिना पूरी जानकारी और सत्यापन के भरोसा न करें तथा किसी भी प्रकार का आर्थिक लैन-देन करने से पहले पूरी सावधानी बरतें। मामले की जांच जारी है।

रंगदारी नहीं देने पर युवक पर चाकू से हमला,बचाने पहुंची पत्नी से मारपीट व बदसलूकी

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शहर के काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के सदपुरा मोहल्ले में रंगदारी नहीं देने पर एक युवक पर जानलेवा हमला किए गए का मामला सामने आया है। आरोप है कि दबंगों ने युवक की बेरहमी से पिटाई की और चाकू से हमला कर घायल कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंची उसकी पत्नी के साथ भी मारपीट, गाली-गलौज और बदसलूकी की गई। मामले में पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू कर दी है। पीड़ित स्नेह सागर, जो पूर्वी चंपारण के राजेपुर थाना क्षेत्र के नोनीमल के अनुसार के निवासी हैं और

वर्तमान में सदपुरा में रहते हैं, ने थाना में दिए आवेदन में बताया कि 28 जुन को मोहल्ले के मो. मिराज और प्रिंस कुमार ने उनसे हर महीने 10 हजार रुपये रंगदारी की मांग की। आरोप है कि दोनों ने धमकी दी कि यदि मोहल्ले में रहना है तो नियमित रूप से रंगदारी देनी होगी। पीड़ित के अनुसार, 1 जुलाई की रात करीब 11 बजे मो. मिराज, प्रिंस कुमार, मो. रिक्की और उज्जवल कुमार उनके घर पहुंचे और रंगदारी की मांग दोहराई। विरोध करने पर सभी ने मिलकर उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान दो आरोपितों ने चाकू से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। शोर सुनकर जब उनकी

पत्नी बचाने पहुंची तो आरोप है कि आरोपितों ने उसके साथ भी मारपीट की, गाली-गलौज की और बदसलूकी करते हुए उसके कपड़े फाड़ दिए। हंगामा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद सभी आरोपित वहां से फरार हो गए। पीड़ित का यह भी आरोप है कि भागते समय आरोपित उसकी पत्नी का अफहरण करने और पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देकर गए। काजी मोहम्मदपुर थाना पुलिस ने बताया कि पीड़ित के आवेदन के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। आरोपों की सत्यता की जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बान्दरा की बीडीओ आमना वसी को भावभीनी विदाई

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के बन्दरा प्रखंड की प्रखंड विकास पदाधिकारी आमना वसी के तबादले पर बुधवार को प्रखंड सभागार में सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख रिंकी देवी ने की, जबकि संचालन डीडीओ नीरज कुमार ने किया। इस अवसर पर बीडीओ आमना वसी को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं धार्मिक पुस्तकें भेंट कर सम्मानित किया गया।



समारोह के दौरान मौजूद अधिकारी और कर्मचारी उनके साथ बिताए कार्यकाल को याद कर भावुक नजर आए। अपने संबोधन में प्रमुख रिंकी देवी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने कहा कि आमना वसी ने लगभग तीन वर्षों के कार्यकाल में विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, प्रशासनिक पारदर्शिता और जनहित के कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान

दिया। उन्होंने टीम भावना के साथ कार्य करते हुए प्रखंड के विकास की नई दिशा देने का प्रयास किया। विदाई समारोह में आमना वसी ने सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रखंडवासियों की सहयोग एवं स्नेह के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बन्दरा में मिला सहयोग हमेशा उनके लिए यादगार रहेगा। गौरतलब है कि प्रशासनिक फेरबदल के तहत आमना वसी का तबादला वारिसनगर प्रखंड के बीडीओ के रूप में किया गया है। उनके स्थानांतरण पर प्रखंड प्रशासन एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गायघाट सीओ को दी गई भावभीनी विदाई

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के गायघाट अंचल में तैनात अंचल अधिकारी शिवांगी पाठक के तबादले के बाद मंगलवार को अंचल कार्यालय परिसर में भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में राजस्व कमियों, अमीनों, लिपिकीय कर्मचारियों और प्रखंड कार्यालय के अन्य अधिकारियों ने उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई देते हुए उनके कार्यकाल की सराहना की। इस अवसर पर राजस्व कर्मचारी रोहित कुमार समेत उपस्थित कर्मचारियों ने कहा कि शिवांगी पाठक ने अपने कार्यकाल के दौरान राजस्व एवं भूमि संबंधी मामलों के त्वरित निष्पादन, पारदर्शी कार्यशैली और आम लोगों



के प्रति सकारात्मक व्यवहार से अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने कर्मचारियों के साथ बेहतर समन्वय का स्थापित कर कार्यालय के कार्यों को निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेगी, जैसा उन्होंने गायघाट में किया। गौरतलब है कि बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा

ने उनके नए पदस्थापन पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपने नए दायित्वों का भी उसी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगी, जैसा उन्होंने गायघाट में किया। गौरतलब है कि बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा

गाजर उत्पादकों पर संकट: खरीदार नहीं मिलने से खेतर से कोल्ड स्टोर तक सड़ रही फसल

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के बंदरा प्रखंड के गाजर उत्पादक किसान इन दिनों गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। अच्छी पैदावार होने के बावजूद स्थानीय बाजार में खरीदार नहीं मिलने से किसानों को अपनी उपज औने-पौने दाम पर बेचनी पड़ रही है, जबकि बड़ी मात्रा में गाजर सड़कर बर्बाद हो रही है। कई किसानों को मजबूरी में सड़ी हुई फसल फेंकनी पड़ रही है। किसानों ने बताया कि इस वर्ष उन्होंने महंगे बीज, खाद और सिंचाई पर भारी खर्च कर गाजर की खेती की थी। फसल भी उम्मीद के मुताबिक तैयार हुई,

लेकिन क्षेत्र में पर्याप्त बाजार और खरीदार नहीं होने से उनकी उपज नहीं बिक सकी। बेहतर कीमत मिलने की उम्मीद में कई किसानों ने गाजर को कोल्ड स्टोर में सुरक्षित रखा, लेकिन बढ़ती गर्मी और पर्याप्त शीतलन व्यवस्था नहीं होने के कारण वहां भी करीब 50 प्रतिशत गाजर खराब हो गई। रतवारा, मतलपुर समेत आसपास के गांवों के किसानों का कहना है कि फसल तैयार करने में लगी लागत भी अब निकलना मुश्किल हो गया है।

लागातार हो रहे नुकसान से उनकी आर्थिक स्थिति खिगड़ती जा रही है और खेती करना भी चुनौती बनता जा रहा है।

किसानों का आरोप है कि क्षेत्र में

सब्जियों के लिए व्यवस्थित मंडी और आधुनिक भंडारण सुविधा का अभाव है। यदि स्थानीय स्तर पर बाजार और बेहतर कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था होती तो उनकी फसल बर्बाद नहीं होती। किसानों ने सरकार से नुकसान का आकलन कर उचित मुआवजा देने, स्थानीय सब्जी मंडी स्थापित करने तथा आधुनिक भंडारण व्यवस्था विकसित करने की मांग की है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि उत्पादन बढ़ने के साथ यदि विपणन और भंडारण की समुचित व्यवस्था नहीं हो, तो किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। बंदरा के गाजर किसानों की मौजूदा स्थिति भी इसी समस्या का उदाहरण बन गई है।

देश दुनिया की ताजा त्रीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran

www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण
पटना, गुरुवार, 09 जुलाई, 2026

05



लगतानहींमामलामैनेज होपाएगा!

अरविन्द मोहन

जो खबरें आइ हैं उनके अनुसार मंदिर ट्रस्ट के प्रमुख नृत्य गोपाल दास समेत सभी सदस्य बहुत गुस्से में थे लेकिन किया इतना ही कि इस्तीफा दे चुके सदस्यों का इस्तीफा नाम कर लिया गया। शायद इसे न मानने का प्रावधान भी नहीं है। उधर मुख्य कार्ताधर्ता चंपत राय यह संकल्प दोहराते घूम रहे हैं कि वे यह अपयश लेकर अयोध्या से वापस नहीं जाएंगे। उनके पक्ष में कथित संत समाज के कुछ लोग खुला समर्थन घोषित करने लगे हैं। राममंदिर के चढ़ावा में मंदिर के लाभगर्ह सत्तारण सामने में पक्के सबूत मिलने के बाद भी चंदी ट्रस्ट और उत्तर प्रदेश शासन द्वारा गठित एसआईटी की कार्रवाई का पहला दौर बीत जाने के बाद भी भरोसा नहीं हो रहा है कि मामले के दोषियों को सजा मिल पाएगी या असली अपराधी और मंदिर आंदोलन के असली लाभार्थियों का कभी बाल भी बांका हो पाएगा। इतना जरूरत होगा कि कुछ दोषी पकड़े जाएंगे और शायद थोड़ी सजा भी पा जाएंगे। यह भी होगा ही कि आगे से प्रबंधन थोड़ा ज्यादा चौकस होगा और विश्व हिन्दू परिषद को चन्दा संबंधी गड़बड़ी पर नोटिस देने वाले विश्वबंधू गुप्त को पेशेवराने से लेकर अयोध्या में जमीन रजिस्ट्री के सबूत छोड़ देने मामले सामने आने पर आंच बंद नहीं किया जाएगा। लेकिन आम लोगों के नजरिये से हुए इस महापाप की सजा, प्रायश्चित्त और मंदिर आंदोलन के हथपुंज-प्रतापियों से सत्ता में बैठने और मालामाल होने वालों तक इस काफ़ी की आंच पहुंचेगी इसकी संभावना कम ही लगती है। सारा कुछ राजनीतिक नुस्खाना कम करने के प्रबंधन से जुड़ा लग रहा है। अभी तक एक ही कदम दोषियों को पकड़ने और सजा दिलाने की तरह ठोस उठाया नहीं लगता-बुलडोजर चलना और इनकाउंडर करने का यूपी का मॉडल लागू करने का तो कोई वकालत भी नहीं कर सकता। जो खबरें आई हैं उनके अनुसार मंदिर ट्रस्ट के प्रमुख नृत्य गोपाल दास समेत सभी सदस्य बहुत गुस्से में थे लेकिन किया इतना ही कि इस्तीफा दे चुके सदस्यों का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया। शायद इसे न मानने का प्रावधान भी नहीं है। उधर मुख्य कार्ताधर्ता चंपत राय यह संकल्प दोहराते घूम रहे हैं कि वे यह अपयश लेकर अयोध्या से वापस नहीं जाएंगे।

उनके पक्ष में कायदे सेत समाज के कुछ लोगो खुला समर्थन पापत करते पले हैं और एसआईटी ने उनको और उनके चले को बी की हर दिया। लहगे नजर में यह मामला आरोपी द्वारा खुला घुमने की स्थिति का लाभ लेने का लगता है और वे जंच या दंड प्रक्रिया को प्रभावित करते दिखते हैं। अजीब यह है कि कोषाग्रक्ष महाराज भी खुलाम कर रहे हैं कि उनको चढ़ावा और चन्दा से कोई लेना- देना नहीं रहा है। ऐसा और वरिष्ठ नुपेन्द्र मिश्र सब कुछ बीतने पर पुकृत हुए हैं। एसए बयान दिया जैस प्रकरण से उनका कोई लेना- देना ही नहीं है। संसद में नया कानून बनाकर मंदिर का नया प्रशासन देने वाले या उत्तर प्रदेश में शासन संभालने और रामराज्य लाने का दावा करने वाले दूध का दूध और पानी का पानी करने के अलावा ज्वादा कुछ करते नजर नहीं आये हैं। चोरी का मामला सामने आने के बाद एसआरआर दर्ज करने से लेकर एसआईटी में दूर प्रशासन के लोगों को रखने और जंच की अवधि बढ़ाने जैसी बुनियादी गलतियों को अगर आप चुक मान लेंगे तो आपसे इस बड़ अनैतिक अपराध की गंभीरता और उसके प्राणक्ष और सजा के प्रसंग में उससे भी बड़ी चुक हो जाएगी। असल में यह मान- नमज्वल से रिकवरी कर कर मामले को रफा-दफा कराने और दीर्घियों को थोड़ा बहुत डाँट-पटकार देने का प्रयास हो सकता है। कल जो दान के कीमती सामान प्रदर्शित हुए उसमें कुछ इसी तरह रिकवर हुए हो सकते हैं। चोरी के तीस प्रमाण के बाद अपराधियों को खुला छोड़ना और बाद में कुछ को पुलिस रिमांड की जगह न्यायिक हिरासत में भेजने का फैसला इसी के चलते हुआ होगा। अभी भी दूरत किस अधिकार से अपनी कार्यपद्धति में बदलावा और सीईओ जैसा पर बनाने का फैसला कर रहा है यह सफ नहीं है। हम जानते हैं कि पंद्रह दिन में फैसला होने की अवधि किस तरह बढ़ती गई है और अब दूरत दोबारा पंद्रह दिन बाद बैठेगा तब तक उस पर काफी कुछ धूल बैठे चुकी होगी। जिस तरह विनय कटियार जैस लोग एक दिन एक पुर में बोलते हैं और अगले दिन पलट जाते हैं। यह मैनेजमेंट की संपत्ति की स्ट्राल है।

पेट्रोल में एथनाल : आखिर ये माजरा क्या है ?

निर्मल रानी

यानी मैं इन दिनों पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल का मिश्रण किये जाने वाली ई 20 पेट्रोल के इस्तेमाल से होने वाले नुकसान को लेकर बहस छिड़ गई है। इसके प्रयोग से देश भर से वाहनों के इंजन खराब होने की खबरें आ रही हैं। मीडिया में आने लगी हैं। ई 20 उपभोक्ता अब न केवल इसकी शिकायतें करने लगे हैं बल्कि जगह जगह इस लेकर धरना प्रदर्शन भी होने लगे हैं। तबत दिनों दिल्ली के जंतर मंतर पर भी ई 20 मिश्रित पेट्रोल के विरोध प्रदर्शन में प्रदर्शन किया गया। और इससे वाहनों को होने वाले नुकसान को लेकर सरकार को अवगत करवाया गया। भारत में हो रहे इसके विरोध व इसके इस्तेमाल से आ रही प्रेशानियों व वाहनों को हो रहे कथित नुकसान व वाहनों के बीच पड़ोसी देश भूटान ने भी भारतीय तेल कंपनियों से एथनाल मिश्रित ई 20 पेट्रोल वहां न भेजने व केवल पूर्व में भेजा जा रहा केवल शुद्ध 100 जैत पेट्रोल की आपूर्ति करने को कहा है। भूटान द्वारा इसका एक कारण यह बताया गया है कि पेट्रोल पंपों पर भण्डारण के पुराने भूमगत तैलशुल टैंक में ई 20 पेट्रोल के भण्डारण की वजह से पानी के रिसाव का जोखिम है जिससे एथनाल मिश्रित ई 20 खराब हो सकता है। क्योंकि इथेनॉल की प्रवृत्ति नमी को आकर्षित करने वाली होती है और वातावरण में सभी नेले पर ईंधन की गुणवत्ता घट सकती है और ईंधन में अनेक प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा पहाड़ी इलाके में स्टोरेज और परिवहन प्रसंस्पाई श्रृंखला को आधुनिक करना भी आवश्यक होगा, जिसमें तत्काल परिवर्तन करना जोखिमपूर्ण माना गया। भूटान द्वारा अपनी आपत्ति में पहाड़ी पारिवर्तकों में वाहन के परफार्मेंस पर भी फर्क पड़ने का सदेह व्यक्त किया गया है। है। भारत में भी देश भर से गाड़ियों के खराब होने, गाड़ियों की पेट्रोल टंकी के गलते व जंग लगने, भाइलेज कम होने व ईंधन के खराब होने तक की शिकायतें आने लगी हैं। और उधर इसी ई 20 पेट्रोल की आपूर्ति व खपत की आड़ में शुद्ध पेट्रोल यानी 100 का मूल्य 167 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ गया है। एथनाल के उपयोग से केवल गाड़ियों ही खराब नहीं हो रही हैं बल्कि इसके उत्पादन में भी पानी का भी बेतहाशा दुरुपयोग किया जा रहा है जिससे भविष्य में यह जल संकट का कारण भी बन सकता है। गौरतलब है कि एथनाल का उत्पादन चावल, मक्का और गन्ना आदि की फसलों से होता है। और इन सभी फसलों की पैदावार में बेतहाशा पानी का इस्तेमाल होता है। इसके बाद जब इसी फसल से एथनाल बनाया जाता है तो इसमें और भी ज्यादा पानी खर्च होता है। मिसाल के तौर पर चावल से 1 लीटर एथनाल बनाने में लगभग 10790 लीटर पानी खर्च होता है जबकि मक्का से 1 लीटर एथनाल बनाने में करीब 4670 लीटर पानी खर्च होता है। इसी तरह गन्ने से मात्र 1 लीटर एथनाल बनाने में तबरीबन 3630 लीटर पानी लगता है। गोया पेट्रोल में एथनाल मिश्रण की नीति देश के जल बचाने के अभियान के ठीक विरुद्ध जलसंकट खड़ा करने में भी सहायक सिद्ध हो सकती है। जरा सोचिये कि जब ई 20 पेट्रोल की आपूर्ति में जल का इतना इस्तेमाल होता है तो यदि भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की निपुण गडकरी की इच्छानुसार पेट्रोल में 85 प्रतिशत मिश्रण कर 85 प्रतिशत की आपूर्ति की योजना पर अमल किया गया तो भारत जैसे उलट दिनों पानी के अकाल को कैसे टाला जा सकेगा जहां के कई इलाकों में पहले ही पानी का पानी लोगों को मयस्सर नहीं है ? हालांकि अब खबर यह भी आ रही है कि भारी विरोध के बीच केंद्र सरकार अब ई 25 पेट्रोल को लागू करने की योजना को फिलहाल टाल सकती है। सरकारी सूत्रों के अनुसार सरकार अब इस ई 25 बदलाव को जल्दबाजी में लागू करने के बजाय चरमबाज तैरती के से आगे बढ़ाने पर विचार कर रही है। देश में पेट्रोल में एथनाल के मिश्रण को लेकर कुजुमिद्वारा लोगों के विरोधाभासी बयान भी सुनाई दे रहे हैं। इसकी वजह से आम लोगों में एथनाल के मिश्रण के प्रति अविश्वास व भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है।

विचार मंथन

एसआईआर: कमजोर पर वार!

देश की 23 विपक्षी पार्टियों ने संयुक्त रूप से चिट्ठी लिखकर देश के सर्वोच्च न्यायालय से देश में जनतंत्र की बचाने के लिए हस्तक्षेप करने की गुहार लगायी है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह शायद पहला ही मौका है, जब विपक्ष ने इस तरह सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। विपक्ष के इस कदम में, एक प्रकार की लाचारी भी छुपी है। चिट्ठी का अंत इस यथार्थ स्थिति के बयान पर होता है कि अगर इस अदालत के दरवाजे से भी न्याय नहीं मिलता है, तो शायद न्याय के लिए खटखटाने के लिए और कोई दरवाजा ही नहीं रह जाएगा। याद रहे कि जिन विपक्षी पार्टियों ने मिलकर यह गुहार लगायी है, संसद में भले ही अल्पमत में हों, पर वास्तव में जनमत के सप्ता पक्ष के मुकाबले कुछ न कुछ बड़े हिस्से का ही प्रतिनिधित्व करती हैं, छोटे हिस्से का नहीं। जनमत के उल्लेखनीय हिस्से की इस गहरी चिंता से इसका बखूबी अंदाजा लगाया जा सकता है कि मोदी राज में भारत में जनतंत्र पर कितना भारी खतरा छाया हुआ है। हैरानी की बात नहीं है कि विपक्षी पार्टियों की इस चिट्ठी में सबसे प्रमुख रूप से चुनाव आयोग की भूमिका का सवाल उठाया गया है, जिसने जनतांत्रिक चुनाव के निष्पक्ष एंपायर की अपनी संविधान में कल्पित भूमिका का करीब-करीब त्याग ही कर दिया है



राजेन्द्र शर्मा
(लेखक)

चु नाव आयोग की विवादास्पद भूमिका के संबंध में जहाँ स्वाभाविक रूप से विधानसभाई चुनावों के हाल के पत्र में और विशेष रूप से प. बंगाल तथा असम में उसके अनेक विवादोद्भास्य निर्णयों की ओर इशारा किया गया है, वहीं आयोग के जिस एक निर्णय की इस संयुक्त पत्र में अपेक्षाकृत विस्तार से चर्चा की गयी है, वह है मतदाता सूचियों का विशेष सघन पुनरीक्षण। देश की 23 विपक्षी पार्टियों ने संयुक्त रूप से विज्जि लिखकर देश के संसदीय न्यायालय से देश में जनतंत्र को बचाने के लिए हस्तक्षेप करने की गुहार लगायी है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह शायद पहला ही मौका है, जब विपक्ष ने इस तरह सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। विपक्ष के इस कदम में, एक प्रकार की लाचारी भी छुपी है। विज्जि का अंत इस यथार्थ स्थिति के बयान पर होता है कि अगर इस अदालत के दरवाजे से भी न्याय नहीं मिलता है, तो शायद न्याय के लिए खटखटाने के लिए और कोई दरवाजा

हो नहीं रहे जायगा। याद रहे कि जिन प्रमुख पार्टीयों ने मिलकर यह गुहार लगायी है, संसद में भले ही अल्पमत में हों, पर वास्तव में जनमत के पक्ष में होने के मुकामले कुछ न कुछ बड़े हिस्से की प्रतिनिधित्व करते हैं, छोटे हिस्से की नहीं। जनमत के उल्लेखनीय हिस्से के लोगों की इस गहरी चिंता से इसका बखूबी अंदाजा लगाया जा सकता है कि मोदी सरकार भारत में भारत में जनतंत्र पर कितना भारी खतरा छाया हुआ है। हैरानी की को बाट नहीं है कि प्रमुख पार्टीयों की चुनाव आयोग की भूमिका का साला उठाया जा रहा है, जिसने जनतांत्रिक चुनाव में निष्पक्ष एवं पारदर्शक की अपनी संविधानात्मक कल्पित भूमिका का करीब-करीब पूरा त्याग ही कर दिया है और एक तरह से सत्ताधारी टीम में ही शामिल हो गया है। इस संदर्भ में कि जिस तरह आपदिल दिलाया गया है कि चिद्री, याद दूर बनरवाल बनाम भारतीय संघ मामले में सर्वोच्च न्यायालय के ही संसीदाय पीठ ने, चुनाव आयोग की कार्यपालिका से स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के पक्ष

में जो फैसला दिया था और इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, देश के प्रधानमंत्री और नेता विपक्ष के तीन सदस्यीय पैनल द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त तथा चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति किए जाने का आदेश दिया था, उसे मोदी राज ने संघर्ष में अपने बहुमत के बल पर, एक नया फैसला कानून लाकर पूरी तरह से ही उलट दिया था। अब तीन सदस्यीय पैनल में मुख्य न्यायाधीश को हटकर, उनकी जगह पर प्रधानमंत्री द्वारा नामजद जनेक एक मंत्रिमंडलीय सहयोगी को चुना गया चुका है और इस तरह चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया पर कार्यपालिका का पूर्ण नियंत्रण स्थापित हो चुका है। नतीजा यह है कि आज चुनाव आयोग की भूमिका जितनी विवादोद्भव हो गयी है, इससे पहले कभी भी नहीं थी। चुनाव आयोगों की विवादोद्भव भूमिका के संबंध में जहां स्वाभाविक रूप से विधानसभाई और चुनावों के बहाल के चक्र में और विरोध रूप से प. बंगाल तथा असम में उसके अनेक विवादोद्भव निर्णयों की ओर

A hand with a white index finger pointing upwards towards a yellow circular symbol with a black 'X' inside. To the left of the hand, the letters 'SIR' are written in large, bold, yellow capital letters. The background is a dark blue gradient with faint, semi-transparent text in Hindi, including 'निर्वाचन सदन' and 'निर्वाचन आयोग'.

पारा किया गया है, वहीं आयोग के अध्यक्ष एक निर्णय की सन संयुक्त पत्र में प्रस्तावित विस्तार से चर्चा की गयी है, यह है मतदाता सूचियों का विशेष सहज नरीश्रीकरण करने का चुनाव आयोग का कर्तव्य फेंसला। यदि वह कि मतदाता चरित्रों को शुद्धा नृश्रीक करने के लिये म, चुनाव आयोग द्वारा बिहार विधानसभा चुनाव से चंद महीने पहले हड़बड़ी में जब यह प्रक्रिया शुरू की गयी थी, तभी से इस प्रक्रिया में जेरूस्तर, उपयुक्त तथा धंधता पर चलाना उठ रहे थे। जिस तरह लगभग सभी संबंध समग्र सीमाओं के साथ, मतदाता सूचियां लगभग नये सिरे से जारी कराए जाने का प्रयास किया जा रहा था, उस हड़बड़ी के अलावा और उससे भी महत्वपूर्ण रूप से, इस तरीके की प्रक्रिया को दस्तावेजी साधनों के माहारे नागरिकता नरीश्रीक यानी पिछले दो हजार से राष्ट्रीय नागरिका रजिस्टर में जोड़े जाने में तब्दील किए जाने पर, शुरू से गंभीर इनका उद्धार जा रहा है, हड़हाल, इन सभी सर्वालों को इस तरह से सांप्रदायिक प्रचार से दबावे की

कोशिश की कि यह कसरत वास्तव में मददता सृचियों से बचने में मदद करेगी।
 छानकन सृचियों के लिए जरूरी थी।
 लेखन, जब बिहार में एसआईआप की प्रक्रिया पूरी हो चुकी, इस प्रक्रिया में छानकन नहीं हवाई डिवाइस की सहायता से सृचियाँ सैकड़ों तो क्या दर्जनों में भी नहीं थी, जिसकी वजह से प्रक्राओं के बार-बार घुटने के बावजूद, चुनाव आयोग को यह पता नहीं बना कि बिहार में किस किसने विदेशी नागरिक मतदाता बने हैं।
 आपाए गए थे। इसके बावजूद, चुनाव आयोग ने बिहार के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रचलित प्रक्रिया के करीब आधे राज्यों पर, जिनमें से छह साल के पूर्वार्ध में विधानसभाई चुनावों की तैयारी कर रहे बंगाल प्रदेस के राज्य तथा एक केंद्र शासित प्रदेस शामिल थे, न सिर्फ एसआईआर थोप दिया बल्कि एक ओर केन्द्रीय सहायता से सत्ताधारी संघ-भाजपा और दूसरी ओर चुनाव आयोग की गुप्तलब्दी के सहारे, एसआईआर की प्रक्रिया को गुप्तस्थिति को निकालने के लिए मतदाता सृचियों की गहरी छानई के रूप में पेश किया जाना जारी रहा।

बिहार में जब एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हुई, तभी से यह ध्यान दिलाया जा रहा था कि दस्तावेजों साक्ष्यों से नागरिकता को प्रमाणित करने को प्राथमिकता देने वाली यह प्रक्रिया, आर्थिक व सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों तबकों यानी भूमिहीनों, अनपढ़ों, दलितों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों आदि को, मतदाता सुचियों से बाहर करने और उनका मतधिकार खीनने का काम करेगी। और ठीक यही हुआ भी। हालांकि, आशंकाओं के विपरीत, मुस्लिम अल्पसंख्यकों की बहुत बड़ी संख्या को बाहर नहीं किया जा सका और दूसरी ओर, प्रवासी मजदूरों की खासतौर पर बड़ी संख्या पर बस छेड़छाड़ की गज गिरी, फिर भी इस प्रक्रिया में जो 65 लाख नाम मतदाता सुचियों से हटाए गए, उनमें से मृतकों की श्रेणी के 22 लाख और एक से ज्यादा जगह नाम की श्रेणी के 7 लाख नामों को छोड़ भी दें तो, 36 लाख यानी कुल मतदाताओं के 5 फीसद से ज्यादा के नाम, उनके जिंदा होते हुए काट दिए गए।

राज्य की घटनाएं देश की राजनीति, प्रशासन, न्यायपालिका और जनजीवन को करती है प्रभावित

एक ओर बिहार में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी आवास को लेकर चल रहा विवाद अंतिम चरण में पहुँचता दिखाई दे रहा है। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में राम मंदिर निर्माण के लिए एकत्रित चंदे से जुड़े कथित अनियमितताओं के मामले में न्यायालय की सुनवाई राजनीतिक और कानूनी दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। महाराष्ट्र में लगातार हो रही मूसलाधार वर्षा ने आर्थिक राजधानी मुंबई सहित अनेक शहरों का सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। वहीं असम में मानसून की तेज बारिश और बाढ़ ने हजारों परिवारों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा कर दिया है। लेकिन इन सबके बीच सबसे अधिक राजनीतिक चर्चा पश्चिम बंगाल को लेकर है। विधानसभा का विशेष सत्र, संगठित विधेयकों पर बहस, कानून-व्यवस्था, सामान्य नागरिक सहिता पर राष्ट्रीय बहस और आगामी चुनावों की आहट, इन सबने बंगाल की राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में ला खड़ा किया है। यह केवल घटनाओं का संयोग नहीं है। यह उस बदलते भारत की तस्वीर है जहाँ न्यायपालिका, विधानपालिका, कार्यपालिका और जनता की अपेक्षाएँ एक ही दिन में अनेक दिशाओं में सक्रिय दिखाई देती हैं।



जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

भा रत जैसे विशाल लोकतंत्र में कुछ दिन ऐसे होते हैं जब देश के अलग-अलग कोनों में घट रही घटनाएँ केवल स्थानीय नहीं रह जाती हैं, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बन जाती हैं। पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक अलग-अलग घटनाएँ देश की राजनीति, प्रशासन, न्यायपालिका और जनजीवन को प्रभावित कर रही हैं। एक ओर बिहार में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी आवास को लेकर चल रहा विवाद अंतिम चरण में पहुँचता दिखाई दे रहा है। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में राम मंदिर निर्माण के लिए एकत्रित चंदे से जुड़े कथित अनियमितताओं के मामले में न्यायालय की सुनवाई राजनीतिक और कानूनी दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। महाराष्ट्र में लगातार हो रही मुसलाधार वधों ने आर्थिक राजधानी मुंबई सहित अनेक शहरों का सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त

कर दिया है। वहीं असम में मानसून की तेज बारिश और बाद ने हजारों परिवारों के सामने अस्तित्व का सफर खड़ा कर दिया है। लेकिन इन सबके बीच सबसे अधिक राजनीतिक चर्चा पश्चिम बंगाल को लेलेकर है। विधानसभा का विशेष सत्र, संसद में भावित विधेयों पर बहस, कानून व्यवस्था, समान नागरिक संहिता पर राष्ट्रीय राजनीति, और आगामी चुनावों की आहट, इन सबने बंगाल को राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में ला खड़ा किया है। यह केवल घटनाओं का संयोग नहीं है। यह उस बदलते भारत की तस्वीर है जहाँ न्यायपालिका, विधानपालिका, कार्यपालिका और जनता की अपेक्षाएँ एक ही दिन में अनेक दिशाओं में सक्रिय दिखाई देती हैं। बिहार की राजनीति में सरकारी आवास केवल रहने की जगह नहीं होता है, बल्कि राजनीतिक प्रतिष्ठा और प्रभाव का भी प्रतीक माना जाता है। वहाँ से कई ऐसे मामले सामने

आते रहे हैं जब पद छोड़ने के बाद भी सरकारी आवास खाली करने को लेकर विवाद उत्पन्न हुए। राबड़ी देवी से जुड़ा वर्तमान विवाद भी केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं माना जा रहा। इसके पीछे राजनीतिक संदेश भी खोजे जा रहे हैं। राष्ट्रीय संस्था दल इसे राजनीतिक प्रतिशोध को दृष्टि से देखता है, जबकि सरकार का तर्क है कि सरकारी संपत्ति का उपयोग नियमों के अनुसार होना चाहिए और किसी भी व्यक्ति को विशेषाधिकार प्राप्त नहीं हो सकता। यही कारण है कि इस मामले ने कानूनी प्रश्न से अधिक राजनीतिक महत्व प्राप्त कर लिया है। लोकतंत्र में सार्वजनिक संसाधनों का उपयोग सीमित अवधि और निश्चित नियमों के अंतर्गत होना चाहिए। यदि सरकारी नियम लागू करती हैं तो उन्हें समान रूप से लागू करना चाहिए। दूसरी ओर यदि विपक्ष अनेकों पराजित लगाता है कि केवल चुनिंदा नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है, तो

सका भी निष्पक्ष परीक्षण आवश्यक है। यहाँ संजुलन लोकतंत्र की जलजबूती का आधार है। राम मंदिर जल एक धार्मिक स्थल नहीं बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक है। निर्माण निर्माण के लिए देश-विदेश करोड़ों श्रद्धालुओं ने स्वेच्छा से धार्मिक सहयोग दिया। ऐसे में यदि स धन के उपयोग को लेकर कोई जवाबदायिका शिकायत सामने आती है तो स्वाभाविक रूप से जनता का ध्यान स ओर जाता है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि किसी भी मामले में अंतिम श्कर्षक न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही माना जाना चाहिए। आरोप और निर्णय दोनों अलग-अलग व्यवस्थाएँ हैं और लोकतंत्र में दोनों के बीच अंतर बनाए रखना आवश्यक है। मुंबई भारत की आर्थिक राजधानी नहीं जाती है। लेकिन लगभग हर पाँच मिनट वृद्ध प्रजनन खड़ा कर देता है। मान्य महानगरों का बुनियादी ढाँचा बदलती जलवायु परिस्थितियों

के अनुरूप विकसित हो पाया है ? भारी वर्षा होने ही सड़कें जलमग्न हो जाती हैं। लोकल ट्रेन प्रभावित होती हैं। हवाई सेवाओं और अंतर प्रदूत है। कार्यालयों और उद्योगों की गति धीमी चल जाती है। यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं बल्कि शहरी नियोजन की परीक्षा भी होती है। विशेषज्ञ वर्षों से चेतावनी देते रहे हैं कि जल, निकासी व्यवस्था, अतिक्रमण, अनियोजित निर्माण और तटीय क्षेत्रों पर बढ़ते दबाव के कारण समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। यदि भारत में कोई ऐसा प्राकृतिक आपदा है जो लगभग हर वर्ष लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करती है, तो उसमें असम की बाढ़ प्रमुख है। ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियाँ मानसून के दौरान विकराल रूप धारण कर लेती हैं। हजारों गाँव जलमग्न हो जाते हैं। सड़कें टूट जाती हैं। फसलें नष्ट हो जाती हैं। पशुधन बह जाता है और लाखों लोगों राहत शिविरों में रहने

को विवश हो जाते हैं। हर वर्ष राहत
अर्थानाम चलता है, लेकिन प्रथम वर्ष
रहितान है कि क्या स्थायी समान
सम्भव है? विशेषज्ञों का मानना है कि
केवल तटबंध बनाना पर्याप्त नहीं
नहीं प्रबंधन, जलमग्न क्षेत्र संरक्षण,
वैज्ञानिक बाढ़ पूर्वानुमान, पुनर्वास
नीति और अंतरराष्ट्रीय समन्वयक
को एक साथ लागू करना होगा। इ
चारों घटनाओं को यदि एक साथ
देखा जाये तो स्पष्ट होता है कि भारत
केवल चुनौती राजनीति से संचालित
देश नहीं है। यहाँ न्यायपालिका
जवाबदेही सुनिश्चित करती है।
प्रशसन निम्न लागू करने का दावा
करता है। प्रकृति विकास मॉडल को
चुनौती देती है। जनता हर निर्णय को
लोकतांत्रिक कसौटी पर परखती
है। लेकिन इन सबके बीच सबसे
अधिक राजनीतिक उत्सुकता पश्चिम
बंगाल को लेकर दिखाई दे रही है।
विधानसभा में होने वाली गतिविधियों
केवल राज्य की राजनीति तक सीमित



जितेंद्र शर्मा

राजस्थान की हालिया घटना ने पूरे देश को गहरे सदमे में डाल दिया है। ऐसी घटनाएं केवल एक परिवार का दर्द नहीं होतीं, बल्कि पूरे समाज को यह सोचने पर मजबूर कर देती हैं कि आखिर हमारे बच्चे कितने सुरक्षित हैं। हर बार ऐसी घटना के बाद कुछ दिन तक चर्चा होती है, गुस्सा दिखाया जाता है, लेकिन समय बीतने के साथ

सब सामान्य हो जाता है। जरूरत इस बात की है कि हम केवल दुःख जताने तक सीमित न रहें, बल्कि बच्चों की सुरक्षा को अपनी पहली जिम्मेदारी मानें। बच्चों की सुरक्षा की शुरुआत घर से होती है। माता-पिता को अपने बच्चों के साथ ऐसा रिश्ता बनाना चाहिए कि वे बिना किसी डर के हवा जताने सज्जाना कर सकें। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि उनके शरीर पर उनका अधिकार है। उन्हें हलुआ उग्र के अर्थ को हलुआ टचवेल के बारे में प्रश्न अनुसार सरल भाषा में जानकारी दे

जानी चाहिए। यदि कोई व्यक्ति उन्हें असहज महसूस कराए या गलत तरीके से धूँ की कोशिश करे, तो वे तुरंत वहाँ से हटें और अपने माता-पिता, शिक्षक या किसी भरोसेमंद बड़े व्यक्ति को इसकी जानकारी दें। आज के दौर में केवल बाहर ही नहीं, बल्कि इंटरनेट की दुनिया में भी खतरा मौजूद है। इसलिए बच्चों को मोबाइल और सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग सिखाना भी जरूरी है। उन्हें समझाएं कि किसी अनजान व्यक्ति से दोस्ती न करें, अपनी फोटो, पता या निजी जानकारी साझा

करें और किसी भी सांदिग्ध संदेश को तुरंत जानकारी परिवार को दें।
 दाता-पिता को भी केवल सुविधाएं
 ने तक सीमित नहीं रहना चाहिए।
 ह जानना जरूरी है कि बच्चा
 नहीं जा रहा है, किसे का साथ समय
 दाता रहा है और उसके व्यवहार में
 कोई बदलाव तो नहीं आ रहा। यदि
 चा आचाक चप रहने लगे, डरने
 गे या किसी व्यक्ति से मिलने से
 बराए, तो इसे सामान्य बात मानकर
 जर अंदाज नहीं करना चाहिए।
 कूलों को भी बड़ी भूमिका है। हर
 कूल में समय-समय पर बच्चों के

लेए सुक्रा जागरूकता, आवरक्षा
 ओर आपाक कलानी परसित्याँ से
 नमनपट्टे का प्रशिक्षण होना चाहिए
 वहीँ समाज के हर व्यक्ति को भी
 अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।
 यदि कहीं किसी बच्चे के साथ
 हताशता होत दिखायी, तो चुप रहना
 भी अपराध को बढ़ावा देने जैसा
 है। समय पर पुलिस ओर संबंधित
 अधिकारियों को सूचना देना हर
 नागरूक नागरिक का कर्तव्य है।
 बच्चों को रह भी सिखाना होगा कि
 यदि वे रास्ते में किसी बच्चे के साथ
 मिलत व्यवहार होत दिखे, तो खुद

खतरे में पड़े बिना तुरंत किसी बड़े, मुसलिस या हेल्पलाइन को सूचना दें। समझदारी और सतर्कता ही सबसे बड़ी बहादुरी है। कानून अपना काम करता है, दोषियों को सजा भी मिलेगी। लेकिन हर घटना के बाद यह सवाल फिफ्टेन शूट हो जाता है कि क्या हम अपने बच्चों को सुरक्षा के लिए तैयार कर रहे हैं? हमें उन्हें केवल पढ़ाना ही नहीं, बल्कि सही और गलत की पहचान, आत्मविश्वास, जागरूकता और अपनी बात खुलाकर कहने का साहस भी देना होगा। आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि बच्चों को ऐसा विश्वास वातावरण दें, जहाँ उनका बचपन उड़ के साथे में नहीं, बल्कि विश्वास, सम्मान और खुशियों के साथ बीते। यही एक सुरक्षित और संवेदनशील समाज की पहचान होगी।

मीम नाजिश पीएचडी के उपाधि से हुए सम्मानित

गया जी |अल हम्द इस्लामिक स्कूल के निदेशक , मीम नाजिश को मगध विश्वविद्यालय बोध गया द्वारा ,डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी, के उपाधि से अलंकृत किया गया। वे हाजी शकील अहमद के पुत्र हैं, उनके शोध का विषय था, स्टडी ऑन द ईसेक्ट पेस्ट बायोडायवर्सिटी ऑन ग्राम क्रॉप एट गया, बिहार उनके शोध पत्र के निरीक्षक , प्रोफेसर डॉक्टर अबुल फहद, मिर्जा गालिब कॉलेज गया, तथा संरक्षक डॉक्टर सरफराज अली मगध विश्वविद्यालय बोध गया रहे, जबकि परीक्षक श्रीमती डॉक्टर तुमुल सिंह प्रोफेसर एवं हेड यू पी कॉलेज वाराणसी उपस्थित रहे। मीम नाजिश के इस उपलब्धि के लिए उनके परिवार के अतिरिक्त शिक्षा जगत ,एवं सामाजिक क्षेत्र से बधाईएँ प्राप्त हुईं,शुभकामनाएं मिल रही हैं।

मृतक के शोकाकुल परिजनों से मिले पंचायती राज मंत्री

करपी। बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश शहर तेलपा पहुंचकर सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक एवं शिक्षाविद राम भरत सिंह के निधन पर उनके परिजनों से मुलाकात की। मंत्री ने शोक संतप्त परिवार, विशेष रूप से पूर्व सरपंच राजीव कुमार रंजन, को ढाढस बंधाते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा कि राम भरत सिंह ने अपना पूरा जीवन शिक्षा के प्रसार और समाज को शिक्षित करने के कार्य में समर्पित किया। शिक्षा के प्रति उनका गहरा लगाव और विद्यार्थियों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सदैव प्रेरणास्रोत रहेगी। उन्होंने कहा कि उनके अचानक निधन से शिक्षा जगत और समाज को अपूर्णीय क्षति हुई है। उनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी। मंत्री ने शोकाकुल परिजनों से कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा समाज उनके साथ खड़ा है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति तथा परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। इस दौरान उनके जन्मशक्ति पार्टी (रामविलास) के जिला अध्यक्ष सत्येंद्र रंजन, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष रविंद्र राम, जद यू जिलाध्यक्ष अनंत कुमार वर्मा, विनोद राम सहित बड़ी संख्या में सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत शिक्षाविद को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को स्मरण किया।

गोह में बिजली कटने की समस्या से उपभोक्ता परेशान

गोह (औरंगाबाद)(सं.)। गोह प्रखंड में बिजली कटने की समस्या से उपभोक्ता काफी परेशान है।हल्की बारिश में ही बिजली घंटो कट जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रो के साथ शहरी क्षेत्रों की भी स्थिति यथावत है। मनोज कुमार, मुकेश कुमार, लीला देवी, मुन्नी देवी, राकेश कुमार, रुक्मिणी देवी, अजय कुमार सहित कई लोगो ने कहा कि बिजली विभाग के अधिकारी के कथित लापरवाही के कारण बिजली व्यवस्था सुधर नहीं रही है। जिसके कारण उनलोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जगजीवन महाविद्यालय के हिंदी विभाग को मिला नया नेतृत्व, डॉ. संगीता कुमारी ने विभागाध्यक्ष का पदभार संभाला

गया। बुधवार को स्थानीय जगजीवन महाविद्यालय के हिंदी विभाग में एक गरिमामयी समारोह के बीच हिंदी की सहायक आचार्य डॉ संगीता कुमारी ने नए विभागाध्यक्ष के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया है। इस अवसर पर निवर्तमान विभागाध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार ने विधिवत रूप से विभाग का कार्यभार उठेँ सौंपा। विभागाध्यक्ष बनने पर प्रचार्य ने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट किए और समस्त महाविद्यालय परिवार की ओर से बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ। मोहम्मद अयूब ने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान में हिंदी विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और आधारभूत होती है। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि डॉ संगीता कुमारी के नेतृत्व में विभाग शैक्षणिक और साहित्यिक गतिविधियों में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा। उनके शिक्षण कोशल व अधिगम का लाभ विद्यार्थियों को निश्चित रूप से प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि सत्र 2026 28 में हिंदी, अंग्रेजी, गणित, भौतिक शास्त्र एवं रसायन शास्त्र में पीजी (स्नातकोत्तर) की पढ़ाई शुरू होने की संभावना है।इस दौरान प्रभारी प्राचार्य ने नए विभाग अध्यक्ष डॉ. संगीता कुमारी को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।हिंदी विभाग के निवर्तमान अध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार ने अपने 3 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों को रेखांकित किया ।

उर्दू भाषा छात्र-छात्रा राज्य प्रोत्साहन योजना अंतर्गत वाद विवाद प्रतियोगिता का शुभारंभ

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। समाहरणालय सभाकक्ष में जिला पदाधिकारी अरवल अमृषा बैस की अध्यक्षता में उर्दू भाषा छात्र-छात्रा राज्य प्रोत्साहन योजना अंतर्गत वाद-विवाद प्रतियोगिता 2025-26 का शुभारंभ द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिले में उर्दू भाषा के संरक्षण, संवर्धन तथा छात्र-छात्राओं में तार्किक चिंतन, अभिव्यक्ति क्षमता एवं बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया। सर्वप्रथम अपर समाहर्ता द्वारा जिला पदाधिकारी को पौधा देकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात जिला पदाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि उर्दू भाषा हमारी साझा सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, तर्कपूर्ण विचार रखने की कला तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास

प्रधानमंत्री सर्वोच्च नागरिक सम्मान बितांग आदिपूर्ण सम्मानित करने पर पौधारोपण कर कार्यकर्ताओं ने खुशी का किया गया इजहार

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।देश के ओजस्वी प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ह्युबिंतांग आदिपूर्णह से सम्मानित किए जाने पर भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉक्टर मनीष पंकज मिश्रा भाजपा प्रदेश प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता सतोष ठाकुर ने खुशी का इजहार किया और फलदार पौधा लगाकर देश के ओजस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी का दीर्घायु होने का शुभकामना दी है खुशी का इजहार करते हुए भारत माता की जय वंदे मातरम नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारा लगाया गया इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ मनीष पंकज मिश्रा ने प्रधानमंत्री की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सम्मान केवल

एड्स को ले जागरूकता के उद्देश्य से जगजीवन महाविद्यालय, गया में रेड रन मैराथन– 2026 का किया गया आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

मानपुर।एड्स (एचआईवी) के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रेड रिबन क्लब के दिशा-निर्देशानुसार जगजीवन महाविद्यालय, गया द्वारा रेड रन मैराथन-2026 का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में एनसीसी, एनएसएस एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए एचआईवी/ एड्स जागरूकता का सदेश दे दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. मोहम्मद अयूब ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन को रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि एड्स जैसी गंभीर बीमारी के प्रति समाज को जागरूक रहने की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने एचआईवी से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदनशीलता एवं सहानुभूति रखते तथा उन्हें मानसिक रूप से सशक्त बनाने में सहयोग करने का आह्वा‍न किया।प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में खेल-कूद प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार एवं

गोह में अतिक्रमण के कारण जाम की समस्या बरकरार

गोह (औरंगाबाद)। गोह प्रखंड मुख्यालय में जाम की समस्या बरकरार है।जिससे आवागमन प्रभावित है और हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। मुख्यालय से राष्ट्रीय राज्य मार्ग 120 एवं राज्य मैथ 68 गुजरती है। जो दोनों मार्ग पूरी तरह से अतिक्रमण के चपेट में है। प्रशासन द्वारा कभी - कभी अतिक्रमण हटाने की औपचारिकता पूरी की जाती है।लेकिन स्थायी निदान अभी तक नहीं किया जा सका है। स्थानीय लोगो ने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी रोज खुद जाम की समस्या से जूझते हैं।इसके बावजूद भी इसके निदान के प्रति सजग नहीं है'।

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। साहित्यिक संस्था हिन्दी साहित्य भारती द्वारा बेलबाटिका स्थित सेसा कार्यालय के सभागार में कवि राकेश कुमार के संयोजन में एक कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रेम भसीन ने की। जबकि संचालन कवि अनुज कुमार प्रसाद ने किया।उपस्थित कवियों ने मौँ सरस्वती एवं बिंदु माधव शर्मा को पुष्पांजलि अर्पित कर विभिन्न विषयों पर मनमोहक कविताओं को प्रस्तुत किया।अध्यक्षता कर रहे प्रेम भसीन ने कहा कि लक्ष्मण के फूलों की घाटी की तरह यहां के कवियों की रंगबिरंगी कविताओं ने मन को मोह लिया।मुख्य अतिथि के रूप में



करती हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को पूरी निष्ठा, अनुशासन एवं सकारात्मक सोच के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया तथा कहा कि सफलता निरंतर अभ्यास, ज्ञानार्जन और आत्मविश्वास से प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की यह योजना विद्यार्थियों की प्रतिभा को

उचित मंच प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। विद्यार्थियों को इस अवसर का भरपूर लाभ उठाते हुए अपनी भाषा दक्षता, विचार शक्ति एवं व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान देना चाहिए। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने

धनबाद रेलवे मंडल के बैठक में गया संसदिय क्षेत्र को कई अंडरपास और रेलवे ओवरब्रिज बनाने का प्रस्ताव दिया गया



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के 140 करोड़ नागरिकों का सम्मान है प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रमोदी के प्रभावशाली नेतृत्व, वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा तथा विदेश नीति की सफलता के कारण आज दुनिया भारत को एक मजबूत, विश्वस्तरीय और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में देख रही है।

उन्होंने कहा कि यह सम्मान भारत और इंडोनेशिया के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को और अधिक मजबूत करेगा तथा दोनों देशों के

बीच सहयोग के नए आयाम स्थापित करेगा। राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी अलग पहचान बनाई है और विश्व समुदाय में देश का सम्मान लगातर बढ़ रहा है। खुशी का इजहार करने वालों में भाजपा के वरिष्ठ नेता राणा रणजीत सिंह सुनील मिश्रा गोपाल प्रसाद हाद सतोष कुमार श्याम किशोर मिश्रा सुधीर कुमार नव्लेश सिंह पूनम कुमारी महेश यादव बबलू गुप्ता सहित अन्य।



मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजीव रंजन शामिल थे।निर्णायकों के सहयोगी के रूप में जगजीवन महाविद्यालय के टीम लीडर रितिक रौशन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे—

पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान-नीतीश कुमार, द्वितीय स्थान- नीतीश कुमार, तृतीय छ शुभम कुमार, चतुर्थ अभिषेक भारती, पंचम राजल कुमार रहे।

महिला वर्ग में प्रथम स्थान परख़ सलोनी कुमारी, द्वितीय स्थान पर ज्योति अग्रवाल, तृतीय अंशु कुमारी, चतुर्थ वंदना

जिले में एलपीजी गैस की पर्याप्त उपलब्धता, 3405 सिलेंडर स्टॉक

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। जिला पदाधिकारी के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु सतत अनुश्रवण एवं निरीक्षण किया जा रहा है।जिला प्रशासन द्वारा आमजन को सूचित किया जाता है कि अरवल जिले में एलपीजी गैस की उपलब्धता पूर्णातः सामान्य है। दिनांक 08 जुलाई, 2026 की स्थिति के अनुसार जिले में कुल 3405 एलपीजी गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। जिले के सभी 14 गैस

एजेंसियों के पास पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। जिससे आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही है।जिला प्रशासन द्वारा एलपीजी गैस की कालाबाजारी पर रोक लगाने हेतु नियमित रूप से निरीक्षण एवं कानूनी कार्रवाई का जा रही है, ताकि आपूर्ति व्यवस्था सामान्य बनी रहे और आम उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। 247 नियंत्रण कक्ष स्थापित: आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु

न नफरत तलाश कर न प्यार तलाश कर। दुनिया में जो तुम्हारा वो किरदार तलाश कर। कवि सत्येंद्र चौबे सुन के भक्ति गीत से सब झूम उठे वंशीधारी पे मेरी नजर जो पड़ी पड़ गई जब नजर तो पड़ी रह गई। साँवरे श्याम गोरी है मां राधिका दिव्य ऐसी छाड़ी एक छड़ी रह गई।।कवि रमेश कुमार सिंह ने देख लिए जब राम सिया फिर चाह रही अब और नहीं है।या सुख सार समान कहाँ मिलना सब हाल से काल यहीं है।अनुज कुमार पाठक ने मिला जो मान जीवन में,उसे मिलकर बढ़ाते हैं, खिले जो फूल बागों मे, उसी से पथ सजाते हैं। कवि राम प्रवेश पण्डित ने माधव के चरणों में इक फूल चढ़ाना है।बिंदु से सिंधु बन

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran

www.pratahkiran.com

उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा निर्धारित विषयों पर प्रभावशाली एवं तार्किक ढंग से अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का संचालन निर्धारित नियमावली के अनुसार किया गया तथा निर्णायक मंडल द्वारा प्रतिभागियों के प्रदर्शन का निष्पक्ष मूल्यांकन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा उर्दू भाषा के प्रचार-प्रसार और साहित्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना तथा धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुआ। मौके पर अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त, जिला कोषागार पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी के साथ जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं अन्य उपस्थित रहे

धनबाद रेलवे मंडल के बैठक में गया संसदिय क्षेत्र को कई अंडरपास और रेलवे ओवरब्रिज बनाने का प्रस्ताव दिया गया

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।धनबाद रेल मंडल संसदीय समिति की बैठक आज धनबाद रेल मंडल सभागार में सांसद बीडी राम की अध्यक्षता में किया गया है जिसमें चतरा के सांसद कालीचरण सिंह धनबाद के सांसद दुल्लू महतो गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी सहित कई प्रतिनिधि भाग लिए हैं केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और गया संसदीय क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि ई. नंदलाल मांझी ने इस बैठक में भाग लिया है।

ई.नंदलाल मांझी ने बताया कि केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के दिशा निर्देश पर 18 से अधिक प्रमुख जनहित की समस्याओं को बैठक में उठाया गया है जिसमें कई बिंदुओं पर गहन समीक्षा की गई है गया

इ.लालामपुर(नालंदा) से मानपुर (गया) जी तक नई रेलवे लाइन परियोजना (वाया केउर ,महकार, टेउसा)

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में सफल हुए कृष्ण राज

औरंगाबाद। दयानंद बिहार औरंगाबाद स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में आई.टी.एस.ई. द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता परीक्षा 2025-26 में स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। आई.टी. एस.ई. के डायरेक्टर ने बताया की वर्तमान क्लास छ के कृष्ण राज एवं अक्षय कुमार ने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। सफल छात्रो ने कहा कि आज का दिन मेरे जीवन के सबसे अविस्मरणीय और गौरवशाली दिनों में से एक है। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करना केवल मेरा सपना नहीं, बल्कि मेरे परिवार के अटूट विश्वास, मेरे शिक्षकों के मार्गदर्शन और मेरे विद्यालय की प्रेरणा का परिणाम है। इस मुकाम तक पहुँचने का सफर चुनौतियों और सीखने के अनुभवों से भरा रहा है।

इस मंच ने मुझे न केवल अपनी क्षमताओं को परखने का अवसर दिया, बल्कि विश्व स्तर पर हमारे देश और क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का अद्वितीय सम्मान भी प्रदान किया है। मैं इस सफरता का श्रेय अपने माता-पिता को देना चाहता हूँ, जिन्होंने हर कदम मेरा हाँसला बढ़ाया। साथ ही, मैं अपने गुरुजनों का हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने मेरे कोशल को निखारा और मुझे पर विश्वास किया।।ह उपलब्धि मेरे लिए एक अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। मैं भविष्य में भी पूरी निष्ठा और लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहूँगा और अपने या देश को गौरवान्वित करने का निरंतर प्रयास करूँगा।रहूँगा।इस प्रतियोगिता से मैंने जो ज्ञान और अनुभव प्राप्त किया है, मैं उसका उपयोग समाज और राष्ट्र के विकास में करने के लिए सदैव तत्पर रहूँगा।।आप सभी का सहयोग और समर्थन मेरे लिए सबसे बड़ी पूंजी है।

उपलब्धता, 3405 सिलेंडर स्टॉक

जिला नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है जो 247 संचालित है। उपभोक्ता निम्नलिखित दूरभाष संख्याओं पर संपर्क कर अपनी शिकायत/सुझाव दर्ज करा सकते हैं : 06337-228994,06337-229494,8235230817 जिला प्रशासन द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि एलपीजी गैस की बुकिंग प्राप्त होने के बाद गैस एजेंसियों द्वारा उपभोक्ता।ओं को होम डिलीवरी के माध्यम से उनके घर तक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। उपभोक्ताओं को गैस एजेंसियों

गया जी।अध्यक्ष बिहार विधानसभा

डॉ. प्रेम कुमार ने बुधवार को गया संग्रहालय, गयाजी का विस्तृत निरीक्षण किया तथा संग्रहालय के संरक्षण, आधुनिकीकरण एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के विस्तार को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान नवनियुक्त सहायक संग्रहालयाध्यक्ष डॉ. अमित रंजन ने संग्रहालय की वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों एवं भावी योजनाओं से संबंधित जानकारी दी एवं तेलहाड़ा उखनन प्रतिवेदन अध्यक्ष महोदय को समर्पित किया है।

इस निरीक्षण के दौरान डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि गया संग्रहालय बिहार एवं विशेष रूप से मगध की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। संग्रहालय की सभी दीक्षाओं का जीर्णोद्धार कर उन्हें आधुनिक एवं आकर्षक स्वरूप में पुन: व्यवस्थित किया जाए ताकि देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को मगध की समृद्ध

गया संग्रहालय को आधुनिक सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा : डॉ. प्रेम कुमार



विरासत की बेहतर जानकारी मिल सके। संस्कार दीर्घा, अस्त्र-शस्त्र दीर्घा सहित अन्य महत्वपूर्ण दीक्षाओं को पुन: स्थापित करने तथा संग्रहालय परिसर की मरम्मत, सौंदर्यकरण एवं आधुनिक तकनीकों के उपयोग से प्रदर्शनों को अधिक प्रभावी बनाने का निर्देश दिया। साथ ही संग्रहालय परिसर के बाहर हो रहे अतिक्रमण को हटाने एवं आसपास फैले कूड़े-कचरे के समुचित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि संग्रहालय केवल प्राचीन धरोहरों का प्रदर्शन स्थल नहीं, बल्कि जीवंत सांस्कृतिक केंद्र होना चाहिए। यहां मगध क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए

रंगमंच, लोकनृत्य, नृत्य-नाटिका, गायन, वादन, किलकारी एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का नियमित आयोजन किया जाना चाहिए, जिससे नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निकट भविष्य में विस्तृत कार्ययोजना एवं सुझावों के साथ बैठक आयोजित करने का निर्देश देते हुए कहा कि गया संग्रहालय को राष्ट्रीय स्तर का आधुनिक एवं जनोपयोगी सांस्कृतिक संस्थान बनाने की दिशा में सभी आवश्यक कदम उठाए जाएँ। इस अवसर पर प्रेम सागर, राजनंदन गांधी, सूरज राणा, बंटी वर्मा, शेखर सुमन,, निर्मला देवी, धीरेंद्र कुमार, गोमाम, जितेंद्र कुमार, राजकुमार सहित संग्रहालय के पदाधिकारी उपस्थित रहे हैं।

धनबाद रेलवे मंडल के बैठक में गया संसदिय क्षेत्र को कई अंडरपास और रेलवे ओवरब्रिज बनाने का प्रस्ताव दिया गया

टनकुपा रेलवे स्टेशन के पूर्वी केबिन के पास रेलवे अंडरपास का निर्माण (पोल संख्या 449/ 4) से 449/ 5 के बीच ।

मानपुर बंधुआ रेलवे स्टेशन के बीच ग्राम रसलपुर में समपार फाटक / ओवरब्रिज / मोटरसाइ कील ब्रिज का निर्माण ।

पहाड़पुर स्टेशन पर हावड़ा मुंबई मेल (02321/0 2322) तथा धनबाद फिरोजपुर एक्सप्रेस (13307/ 13308) का ठहराव देन संस्था (63384 /63385)

अप /डाउन कोडरमा वैशाली फास्ट मेमो ट्रेन का टनकुपा एवं पहाड़पुर रेलवे स्टेशनों पर ठहराव सुनिश्चित किया जाए।

पहाड़पुर स्टेशन के दुमरी चट्टी बाजार के दक्षिण (पोल संख्या 434/ 31 से 434 / 32) के बीच अंडर

पास का निर्माण ।

कोरुमा काल में कई पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन स्पेशल ट्रेन बनाकर किया गया किरिया एक्सप्रेस ट्रेन का लिया गया अभी तक कई ट्रेनों का किरिया एक्सप्रेस का लिया जा रहा है जबकि सारे सुविधा पैसेंजर ट्रेन का ही दिया जा रहा है। जो उचित नहीं है।

ट्रेन संख्या (13233/13234) अप डाउन दानापुर इंटरसिटी ट्रेन का ठहराव टनकुपा में किया जाए तथा इसका परिचालन गया जंक्शन तक किया जाए वर्तमान में यह बंधुआ स्टेशन से तिलैया स्टेशन की ओर प्रस्थान कर जाती है जिससे इसकी उपयोगिता सीमित हो जाती है अगर इसका परिचालन गया जंक्शन तक कर दिया जाए तो इसके उपयोगिता और रेलवे का राजस्व दोनों बढ़ जाएगा ।

मजदूरी से लौटने के दौरान नाले में पैर फिसलकर डूबने से श्रमिक की मौत की आशंका,घर के पीछे नाले में मिला शव

ओबरा (औरंगाबाद)। ओबरा प्रखंड अंतर्गत रतनपुर पंचायत के कंचन बिगहा-अतरीली गांव में बुधवार सुबह एक मजदूर का शव घर के पीछे स्थित नाले से बरामद होने के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक की पहचान कारू भुईया के 41 वर्षीय पुत्र जितन भुईया के रूप में हुई है। परिजनों का मानना है कि मंगलवार देर शाम मजदूर का घर लौटने के दौरान पैर फिसलने से वह नाले में गिर गए, जिससे डूबने से उनकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि जितन भुईया मंगलवार देर शाम तक घर नहीं पहुंचे तो उनकी तलाश शुरू की गई। रिसतेदारों और आसपास के क्षेत्रों में काफी खोजबीन की गई, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। बुधवार सुबह गांव के कुछ लोग शौच के लिए घर के पीछे गए तो जलकुंभी के बीच एक पैर दिखाई दिया। सूचना पर पहुंचे परिजनों और ग्रामीणों ने देखा कि नाले में जितन भुईया का शव पड़ा है। इसके बाद पूरे गांव में माचम छा गया। मृतक अपने पीछे पत्नी मेतरी देवी, माता झकसी देवी, दो पुत्र एवं दो पुत्रियों का परिवार छोड़ गए हैं। इनमें एक पुत्र और एक पुत्री का विवाह हो चुका है, जबकि एक पुत्र एवं एक पुत्री का विवाह होना बाक़ी है।मजदूरी ही परिवार की आजीविका का एकमात्र सहारा थी। उनकी असामयिक मौत से परिवार पर आर्थिक संकट गहरा गया है। पत्नी, माता एवं अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही ओबरा थाना अध्यक्ष नीतीश कुमार एवं अपर थाना अध्यक्ष कुणाल कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल औरंगाबाद भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रहे है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मौके पर पंचायत समिति सदस्य ओमप्रकाश यादव, सरपंच प्रतिनिधि सतीष कुमार शर्मा, मोहमद मुरताक, अरविंद भुईया, पंजाबी भुईया सुनील पासान सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने शोकाकुल परिवार को सात्वना देते हुए सरकार से नियमानुसार आर्थिक सहायता एवं मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की।

नशा मुक्ति एवम स्वच्छता के प्रति सजग रहने को प्रधानाध्यापक ने दिलाया संकल्प

औरंगाबाद। सदर प्रखण्ड के मध्य विद्यालय जम्हौर मे नशा मुक्ति एवम स्वच्छता के प्रति सजग रहने को संकल्प समारोह प्रधानाध्यापक अनिल सिंह की अध्यक्षता मे आयोजित की गई। इस मौके पर शिक्षकों ने नशा कुं को संकल्प दिलाया गया। प्रधानाध्यापक अनिल सिंह ने कहा कि स्वच्छता से बदलाव होगा ताकि लोग स्वस्थ एवम निरोग रह सके। सरकार ने सात निश्चय योजना के तहत घर घर शौचालय निर्माण कराया था है ताकि लोग स्वस्थ रहे और गंदगी से बच सके। साथ ही प्रधानाध्यापक ने नशा मुक्ति अभियान के बारे विस्तार पूर्वक बताते हुए कहा कि नशा मुक्त बनाने की हद्द संकल्प ले और लोगों को जागरूक करने। नशा मुक्ति अभियान मुख्य उद्देश्य नशीली दवाओं के सेवन से होने वाले हानिकारक प्रभाव के बारे मे जागरूकता बढ़ाए और नशा करने वाले को बुरी लत से छुटकारा पाने मे मदद करे। यह अभियान लोगों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रति जागरूकता करके उस नशे से दूर रहने की प्रोत्साहित करने और नशे की लत से पीड़ित लोगों को उपचार और पूर्णवास सेवाएं प्रदान करके एक स्वस्थ और नशा मुक्त समाज बनाने का प्रयास करे। उपस्थित छात्र छात्राएं एवम शिक्षकों ने भी संकल्प लेते हुए जागरूकता करने को भरोसा दिलाया। इस मौके पर शिक्षक श्रीनिवास राम अखिलेश यादव सुभाष कुमार रामप्रसाद चौधरी कमल नयन के साथ सभी शिक्षक एवम अभिभावक उपस्थित दिखे।

आईआईएम बोधगया और एिम भूटान ने एआई के क्षेत्र में बढ़ाया शैक्षणिक सहयोग

गया जी ।आईआईएम बोध गया में भूटान के थिम्फू स्थित रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आरआईएम) के 13 शिक्षकों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमपीवी) का सफल आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम आईआईएम बोधगया की निदेशक प्रो. विनिता एस. सहाय के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया. कार्यक्रम के कार्यक्रमी अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार श्रीवास्तव रहे, जबकि इसका समन्वय डॉ. सॉम सौरभ और डॉ. मदन लाल यादव ने किया.शिक्षकों की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ी समझ और कोशल को मजबूत बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस पांच दिवसीय आवासीय कार्यक्रम में शिक्षण, शोध, संस्थागत नेतृत्व और निर्णय लेने की प्रक्रिया में एआई के प्रभावी उपयोग पर जानकारी दी गई.व्यावहारिक सत्रों और विशेषज्ञों के मार्गदर्शन के माध्यम से प्रतिभागियों को उपरती एआई तकनीकों का उपयोग कर शिक्षण, शोध और संस्थान के कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने के तरीकों से अवगत कतया गया.



डीएम ने किया टीकारामपुर एवं नौवागढ़ी महेशपुर दियारा क्षेत्र का निरीक्षण, कटावग्रस्त इलाकों का लिया जायजा

■ **कटाव निरोधक कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश, अवैध बालू उत्खन पर होगी कठोर कार्रवाई**
प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर:। जिलाधिकारी निखिल ध्वराज निष्पाणीकर ने मंगलवार को जिले के टीकारामपुर तथा नौवागढ़ी महेशपुर दियारा क्षेत्र के कटाव ग्रस्त इलाकों का स्थलीय निरीक्षण कर गंगा नदी के कटाव की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रभावित ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, आशंकाओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने प्रशासन की ओर से हरसंभव सहायता एवं त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। मौके पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी कुमार अभिषेक, जल संसाधन विभाग, कटाव निरोधक दल एवं जिला प्रशासन के संबंधित अधिकारी



उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने जल संसाधन विभाग एवं कटाव निरोधक कार्य से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रभावित क्षेत्रों में शीघ्र कटाव निरोधी कार्य प्रारंभ करने की सभी आवश्यक औपचारिकताएं तत्काल पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि कटाव से प्रभावित आबादी, कृषि भूमि तथा अन्य सार्वजनिक परिस्परितियों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दिशा में किसी भी प्रकार की शिथिलता

स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कटाव ग्रस्त क्षेत्रों की नियमित निगरानी करने और नदी की स्थिति में होने वाले प्रत्येक परिवर्तन पर सतत नजर रखने के निर्देश दिए। साथ ही स्थानीय ग्रामीणों के साथ निरंतर समन्वय रखते हुए उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने को कहा।

अवैध बालू उत्खनन पर सख्ती

निरीक्षण के दौरान नौवागढ़ी



महेशपुर क्षेत्र में सफेद बालू के अवैध उत्खनन की शिकायतों को जिलाधिकारी ने गंभीरता से लिया। उन्होंने सदर अनुमंडल पदाधिकारी को अवैध उत्खनन में सल्लिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सघन अभियान चलाकर कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का अवैध दोहन किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने आम नागरिकों से अपील

की कि यदि कहीं भी सफेद बालू के अवैध उत्खनन, परिवहन अथवा भंडारण की सूचना मिले तो इसकी जानकारी तत्काल जिला प्रशासन अथवा पुलिस प्रशासन को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। जिलाधिकारी ने प्रशासनिक एवं तकनीकी अधिकारियों को कटाव की स्थिति तथा अवैध उत्खनन दोनों मामलों में नियमित अभियान चलाकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

1 करोड़ के नकली नोट, 38 सोने के बिस्किट और कैश बरामद 4 गिरफ्तार, लूटने का अजब-गजब तरीके देख पुलिस भी हैरान

प्रातः किरण संवाददाता

मोतिहारी। बिहार की मोतिहारी पुलिस ने एक ऐसे शातिर और संगठित गिरोह का पदाफाश किया है जो चंद मिनटों में पैसे दोगुने-तिगुने कर के का लालच देकर लोगों को करोड़ों का चूना लगा रहा था। पुलिस की एक विशेष टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए इस गिरोह के 4 मुख्य आरोपियों को दबोच लिया है। वहीं, पछताछ से मिले सुरागों के आधार पर भोपतपुर और कल्याणपुर थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर दो अन्य संदिग्धों को भी हिरासत में लिया गया है। गिरोह के ठिकानों पर जब पुलिस ने रेड डाली, तो वहां से बरामद सामानों की लिस्ट देखकर हर कोई दंग रह गया। पुलिस ने वहां से 1 करोड़ के नकली नोट के साथ 13 लाख रुपए नकद, 38 सोने के बिस्किट, हथियार



एवं कारतूस के साथ एक वाहन को बरामद किया है। जांच में हुए खुलासे के अनुसार गिरोह लोगों को 5 हजार रुपए के बदले 15 हजार रुपए का लालच देता था, शुरूआत में भरोसा जीतने के लिए असली नोट एवं बाद में चिलडन बैंक लिखे नकली नोट थमा दिए जाते थे। दूसरा तरीका और

भी गजब था, बड़ी रकम लेकर आने वाले लोगों के सामने पुलिस की वर्दी पहनकर फर्जी छापेमारी करते थे और रुपए जप्त करने के नाम पर लेकर फरार हो जाते थे। आगे पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में है और पकड़े गए अभियुक्तों से पछताछ हो रही है।

श्रावणी मेले की आहट: मुर्शिदाबाद के श्रद्धालुओं ने अजगैबीनाथ धाम से भरा गंगाजल



■ **70 किलो की विशेष कांवड़ लेकर देवघर स्वाना**
प्रातः किरण संवाददाता

सुल्तानगंज। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले की शुरूआत में अभी 22 दिन शेष हैं, लेकिन सुलतानगंज के अजगैबीनाथ धाम में शिवभक्तों की चहल-पहल तेज होने लगी है। बुधवार की शाम करीब 4 बजे पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद से पहुंचे दर्जनों कांवरियों ने उत्तरवाहिनी गंगा में आस्था की दुबकी लगाई और बाबा अजगैबीनाथ का विधिवत पूजन-अर्चना किया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने करीब 70 किलो वजनी विशेष

कलश कांवड़ में पवित्र गंगाजल भरकर जल संकल्प लिया और बाबा बैधनाथ धाम, देवघर के लिए पैदल यात्रा शुरू की। कांवरिया शिव सिंहानिया ने बताया कि उनकी 26 सदस्यीय टोली हर वर्ष सावन शुरू होने से पहले सुलतानगंज पहुंचकर गंगाजल भरती है और पूरे श्रद्धाभाव के साथ देवघर जाकर बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करती है। श्रावणी मेले से पहले ही पश्चिम बंगाल से कांवरियों के पहुंचने से अजगैबीनाथ धाम में भक्ति का माहौल बन गया है। आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की संभावना है।

शुद्ध पेयजल की मांग को लेकर सड़क पर उतरे ग्रामीण 45 मिनट तक जाम; प्रशासन के आशवासन पर खुला रास्ता

प्रातः किरण संवाददाता

सुल्तानगंज: प्रखंड की मसदी पंचायत के वार्ड संख्या-9 स्थित शिवनंदपुर पासवान टोला में नाल-जल योजना से वंचित ग्रामीणों का आक्रोश बुधवार को फूट पड़ा। शुद्ध पेयजल की मांग को लेकर ग्रामीण बाल्टी और गैलन लेकर शाम करीब 4 बजे सड़क पर उतर आए तथा विभाग और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए सड़क जाम कर दिया। जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें आज तक नल-जल योजना का लाभ नहीं मिल सका है। अब तक वे वार्ड संख्या-10 से पानी लाकर अपनी जरूरतें पूरी कर रहे थे, लेकिन पिछले आठ दिनों से वहां से भी पानी की आपूर्ति बंद कर दी गई है। ऐसे में उन्हें सड़क पार कर जोखिम उठाते हुए पानी लाना पड़ रहा है। प्रदर्शन में शामिल



महिलाओं रेखा देवी, सोनी देवी, कांशला देवी, बेबी देवी, चंपा देवी, काली देवी, कल्पना देवी और सरिता देवी ने बताया कि पूरे प्रखंड में नल-जल योजना के तहत शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, लेकिन उनके गांव में अब तक योजना का लाभ नहीं पहुंचा है। कई घरों में तो नल की टोटी तक नहीं लगाई गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि करीब एक वर्ष पूर्व

पीएचडी विभाग द्वारा गांव में बोरिंग कराई गई थी, लेकिन आज तक उससे जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी। मजबूरी में लोग आयरनयुक्त चापाकल का पानी पीने को विवश हैं, जिससे कई लोग बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। सड़क जाम की सूचना मिलते ही बीडीओ संजीव कुमार और थानाध्यक्ष धनंजय कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाकर जल समस्या के समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद करीब 45 मिनट बाद सड़क जाम समाप्त कराया गया

शंकर मोटर्स ने नेक्स्ट-जेन टियागो और टियागो ईवी के लिए एक लॉन्च इवेंट किया आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

पटना में शंकर मोटर्स ने नेक्स्ट-जेन टियागो और टियागो.ईवी के लिए एक शानदार लॉन्च इवेंट आयोजित किया। इस इवेंट के दौरान, कंपनी के सीनियर अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने ग्राहकों को नई इलेक्ट्रिक हैंडबैक और नई टियागो के एडवॉंस्ड फीचर्स, शानदार ड्राइविंग रेंज और मॉडर्न टेक्नोलॉजी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। नेक्स्ट-जेन टियागो और टियागो.ईवी इस इवेंट के मुख्य आकर्षण थे। इस मौके पर श्री आदित्य हिम्मतसिंहका (मैनेजिंग डायरेक्टर, शंकर मोटर्स), श्री अरविंद कुमार पांडे (चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर) और श्री प्रवीण कुमार झा (जनरल मैनेजर) मौजूद थे।

शुरूआती कीमत: पेट्रोल मॉडल की शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत4.69 लाख है, जबकि टियागो.ईवी की शुरूआती कीमत 6.99 लाख (एक्स-शोरूम) है। बैटरी और रेंज: यह कार 19.2 'है और 24 'है।

बैटरी ऑप्शन के साथ आती है, जो फुल चार्ज पर शानदार रेंज देती है। एडवॉंस्ड फीचर्स: इसमें 360-डिग्री सराउंड-ड-व्यू कैमरा, ब्लाइंड-व्यू



मॉनिटर, रिवर अउ वेंट्स और प्रीमियम इंटीरियर जैसे मॉडर्न फीचर्स दिए गए हैं। वॉरंटी और चार्जिंग: टाटा इंडस्ट्री की पहली लाइफटाइम हार्ड-चोल्टेज बैटरी वॉरंटी देता है; साथ ही, इसकी फास्ट-चार्जिंग टेक्नोलॉजी से सिर्फ 18 मिनट में 100 ें तक की रेंज मिल

कैडेट्स को सकारात्मक सोच के साथ जिम्मेदार नागरिक बनना चाहिए : गुरु रजनी आरएन राजपाल

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर/बरौनी (बिहार)। संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के आठवें दिन की शुरूआत प्रातःकालीन योग सत्र से हुई। योगाभ्यास के माध्यम से कैडेट्स ने शारीरिक एवं मानसिक ऊर्जा का विकास किया। इसके उपरांत निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार फायरिंग प्रशिक्षण तथा परेड अभ्यास आयोजित किया गया, जिसमें कैडेट्स ने पूरे अनुशासन, उत्साह एवं समर्पण के साथ भाग लिया। बुधवार को शिविर का द्वितीय निरीक्षण भागलपुर ग्रुप के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर अरुण उनियाल द्वारा किया गया। उन्होंने शिविर की व्यवस्थाओं, प्रशिक्षण गतिविधियों एवं कैडेट्स के अनुशासन का अवलोकन किया तथा अधिकारियों एवं कैडेट्स के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। कैम्प कमांडेंट एवं कमांडिंग ऑफिसर, 4 बिहार बटालियन एमएससी, भागलपुर, लेफ्टिनेंट कर्नल विकास मंडल के मार्गदर्शन में मुख्य अतिथि के रूप में



भारत की प्रथम गुरु ऑफ ज्ञान काण्ड एवं प्रख्यात आध्यात्मिक मार्गदर्शक गुरु रजनी आर.एन. राजपाल का आगमन हुआ। उन्होंने कैडेट्स को आत्मज्ञान एवं समग्र स्वास्थ्य विषय पर अत्यंत प्रेरणादायक व्याख्यान दिया।

गुरु रजनी आर.एन. राजपाल एक प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु, समग्र उपचार विशेषज्ञ एवं ट्रांसफॉर्मेशनल कोच हैं। वे रेकी ग्रेंडमास्टर, थोटा हीलर, क्लीनिकल हिप्नोथेरेपिस्ट, न्यूमरोलॉजिस्ट तथा एनएलपी कोच भी उतना ही आवश्यक हैं। कैडेट्स ने पूरे उत्साह एवं रूचि के साथ इस प्रेरणादायक सत्र में सहभागिता की तथा गुरु रजनी आर.एन. राजपाल के विचारों से प्रेरणा प्राप्त की।

लोगों को आत्म-विकास, मानसिक संतुलन एवं आंतरिक उपचार की दिशा में प्रेरित किया है। अपने प्रेरक उद्बोधन में उन्होंने कैडेट्स को सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास, आत्मअनुशासन, मानसिक सशक्ता तथा आध्यात्मिक मूल्यों के महत्व से अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि एक श्रेष्ठ कैडेट को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए शारीरिक क्षमता के साथ-साथ मानसिक एवं आध्यात्मिक संतुलन भी उतना ही आवश्यक है। कैडेट्स ने पूरे उत्साह एवं रूचि के साथ इस प्रेरणादायक सत्र में सहभागिता की तथा गुरु रजनी आर.एन. राजपाल के विचारों से प्रेरणा प्राप्त की।

एनएच- 333 पर हाईवा ने प्रोफेसर की बाइक को मारी टक्कर, सिर व पैर में गंभीर घोट, चालक फरार

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। गंगा-खड़गपुर एनएच-333 पर बुधवार को गंगा मोड़ के पास सड़क हादसे में एक कॉलेज प्रोफेसर गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार हाईवा ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी और चालक वाहन लेकर फरार हो गया। घायल प्रोफेसर मुकुंद कुमार सिंह मिल्की गांव के निवासी हैं और योगमाया अजबलाल सिंह महाविद्यालय, प्रसंड़ो में कार्यरत हैं। वे बाइक से घर लौट रहे थे, तभी हादसा हुआ। सूचना पर गंगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और डायल-112 की मदद से घायल को अनुमंडलीय अस्पताल, हवेली खड़गपुर पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, मुंगेर रेफर कर दिया गया। गंगा थाना प्रभारी राहुल कुमार ने बताया कि प्रोफेसर के सिर और पैर में गंभीर चोट लगी है। फरार हाईवा और चालक की तलाश की जा रही है।



मोटोरोला ने मोटो जी77 पावर लांच किया

आसनसोल। मोटोरोला ने मोटो जी77 पावर लॉन्च किया है, जिसे 50 मेगापिक्सल सोनी लिटिया 600 सेंसर, 6.72 इंच की एफएचडी प्लस 120हर्ट्ज डिस्प्ले और 7000 एमएएच की बैटरी के साथ इस सेगमेंट के अग्रणी कैमरा स्मार्टफोन के रूप में पेश किया गया है। कंपनी का दावा है कि यह बैटरी एक बार चार्ज करने पर तीन दिनों तक का बैकअप दे सकती है। 8जीबी+128जीबी वेरिएंट के लिए 23,999 रुपये की प्रभावी कीमत पर यह स्मार्टफोन 13 जुलाई से फ्लिपकार्ट, मोटोरोला डॉट इन और भारत भर के प्रमुख खुदरा आउटलेट के माध्यम से बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। मोटोरोला इंडिया के प्रबंध निदेशक टीएम नरसिम्हन ने कहा कि मोटो जी77 पावर को उन्नत स्मार्टफोन फोटोग्राफी के लिए उपयोगिताओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के साथ-साथ एक किफायती प्रीमियम पैकेज में लंबी बैटरी लाइफ, बेहतरीन मनोरंजन और बेहतर मजबूती को जोड़ने के लिए डिजाइन किया है।

विधायक व्यास सिंह के हस्तक्षेप से लगा नया ट्रांसफार्मर

सीवान/दरौदा। प्रखंड के बालबंगरा मोड़ पर जले हुए बिजली ट्रांसफार्मर को बदलने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप था कि कई दिनों से ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण क्षेत्र में बिजली आपूर्ति ठप थी, जिससे लोगों का भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।प्रदर्शन की सूचना मिलने पर दरौदा विधायक



कर्णजीत सिंह उर्फ व्यास सिंह ने मामले का संज्ञान लिया और बिजली विभाग के अधिकारियों से बातचीत कर अखिलब नया ट्रांसफार्मर लगाने का निर्देश दिया। विधायक के हस्तक्षेप के बाद बिजली विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी।बिजली आपूर्ति शुरू होने के बाद ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने समस्या के त्वरित समाधान के लिए विधायक कर्णजीत सिंह उर्फ व्यास सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया।व्दि चाहें, इसके लिए एक आकर्षक मुख्य हेडिंग और उप-शीर्षक भी तैयार कर सकता हूँ।

गोंडा-बुढ़वल रेलखंड पर तीसरी लाइन कार्य को लेकर कई ट्रेनें निरस्त, एक का हुआस शॉर्ट टर्मिनेशन



सीवान/वाराणसी गोंडा-बुढ़वल रेलखंड पर स्थित गोंडा और गोंडा कचहरी स्टेशनों के बीच तीसरी रेल लाइन के निर्माण कार्य के मद्देनजर रेलवे प्रशासन ने कुछ ट्रेनों का संचालन निरस्त करने तथा एक ट्रेन का शॉर्ट टर्मिनेशन करने का निर्णय लिया है। रेलवे द्वारा जारी प्रेस विज्ञापि के अनुसार, गोरखपुर से 13 जुलाई, 2026 को चलने वाली *75106 गोरखपुर-थावे डेम्* ट्रेन निरस्त रहेगी। वहीं, थावे से 14 जुलाई, 2026 को चलने वाली *75104 थावे-छपरा डेम्* तथा छपरा से 14 जुलाई, 2026 को चलने वाली *75101 छपरा-गोंडाछपरा डेम्* ट्रेन भी निरस्त रहेगी।

इसके अलावा, छपरा से 10 जुलाई, 2026 तक चलने वाली *55055 छपरा-नकहा जंगल सवारी गाड़ी* का शॉर्ट टर्मिनेशन किया गया है। वह ट्रेन नकहा जंगल के बजाय गोरखपुर स्टेशन पर ही अपनी यात्रा समाप्त करेगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यात्रा से पूर्व अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर ही यात्रा करें, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल, रेफर

सीवान/दरौदा। थाना क्षेत्र के एनएच-531 स्थित धनाडीह मोड़ के समीप मालवावर को किसी अज्ञात वाहन की टोकर से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान पचरखी निवासी मंटू मांझी के रूप में हुई है।पटना की सूचना मिलते ही समाजसेवी आनंद सिंह मौके पर पहुंचे और घायल को तत्काल दरौदा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सीवान सदर अस्पताल रेफर कर दिया।घटना के बाद स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है तथा अज्ञात वाहन की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

हरि जी उच्च विद्यालय अपहर में हुई प्रधानाध्यापकों की मासिक बैठक

अमनौर। प्रखंड के हरि जी उच्च विद्यालय अपहर के सभागार में प्रधानाध्यापकों की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बिमला देवी ने की। बैठक में प्रखंड क्षेत्र के प्रारंभिक, मध्य और उच्च विद्यालयों के सभी प्रधानाध्यापक शामिल हुए।शिक्षा पदाधिकारी बिमला दे वी ने विद्यालयों में आयोजित त्रैमासिक परीक्षा, नियमित पठन-पाठन और विद्यालयों के भौतिक विकास से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने सभी प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिया कि छात्र-छात्राओं की पढ़ाई की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए और समय पर परीक्षाएं संपन्न कराई जाएं।बैठक में लेखापाल अनुरंजन कुमार ने शिक्षकों का डाटा जल्द से जल्द जमा करने को कहा। वहीं डाटा ऑफेंटर पृजा कुमारी ने सभी शिक्षकों से अपील की कि छूट्टे हुए छात्रों का शीघ्र आपार आईडी बनाया जाए ताकि किसी भी छात्र को सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहना पड़े।बैठक में शिक्षक नीरज शर्मा,नैमुद्दीन अंसारी, उमेश साह, अरुण मांझी, प्रभात सिंह,अमरेंद्र सिंह,संजय सिंह, सुजीत गुप्ता, तारिक अनवर अंसारी, सरिता कुमारी,सुबोध मंडल सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित थे।बैठक के अंत में शिक्षा पदाधिकारी ने सभी प्रधानाध्यापकों को शिक्षा विभाग के निर्देशों का तत्-प्रतिगत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

दुट्कों की टक्कर में उपचालक की मौत

डोरीगंज।डोरीगंज थाना क्षेत्र के आरा छपरा पुल पर दो ट्कों में हुई टक्कर में एक उपचालक की मौत हो गई है। घटना बुधवार के अहले सुबह की है। मृतक मुकुष्मरपुर जिला के साहेबगंज थाना क्षेत्र के बैद्यनाथपुर निवासी 47 वर्षीय बिट्टू राय बताया जा रहा है।। मिली जानकारी के अनुसार आरा की तरफ से दो ट्रक छपरा की ओर जा रही थी। अचानक आरा छपरा पुल पर आगे वाले ट्रक ने ब्रेक लिया। जिसमें पीछे वाले ट्रक ने धक्का मार दिया। जिसके बाद स्थानीय लोगों व अन्य ट्रक के ड्राइवरों ने उपचालक व चालक को झूलके के लिए सदर अस्पताल छपरा भेजा। जहां उपचालक की मौत हो गई। जहां से भगवान बाजार पुलिस द्वारा कागजी कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया।

मुख्यमंत्री का प्रस्तावित कार्यक्रम बारिश के कारण रद्द

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिले के रफीगंज के बलिगांव में 9 जुलाई यानी गुरुवार को मुख्यमंत्री का प्रस्तावित कार्यक्रम बारिश के कारण रद्द हो गया है।। मुख्यमंत्री को जननायक जगदेव प्रसाद की प्रतिमा का अनावरण करना था। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित आममन को लेकर प्रशासनिक तैयारियां जोरों पर थीं। कार्यक्रम के आयोजन में मात्र एक दिन शेष रह गया था। जिसे देखते हुए आयोजन से संबंधित सारी तैयारियां पूरी कर ली थी, लेकिन सोमवार और मंगलवार को हुई मौसलाधार बारिश ने खेल बिगाड़ दिया और आयोजन स्थल कीचड़ लग गया। जिसे देखते हुए कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया। जिला प्रशासन ने बुधवार को इसकी पुष्टि की गई। हालांकि रफीगंज के विधायक प्रमोद कुमार सिंह ने एक दिन पहले ही मंगलवार को कार्यक्रम रद्द होने की सूचना लोगों को दी थी,लेकिन कुछ तलाओं की ओर से यह भी कहा जा रहा था कि भले ही सभा नहीं होगी, लेकिन मुख्यमंत्री बलिगांव पहुंचेंगे और जगदेव प्रसाद का प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। ग्रामीणों ने बरसात के बाद जल्द नहीं तिथि तय कर कार्यक्रम आयोजित कराने की मांग उठाई। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले करीब 2 महीने से मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर गांव में व्यापक तैयारियां और प्रचार-प्रसार किया जा रहा था। कार्यक्रम को लेकर लोगों में काफी उत्साह था। गांव के बाहर रहने वाले कई लोग भी इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बनने के लिए अपने घर लौट आए थे। कार्यक्रम रद्द होने की खबर से सभी को निराशा हुई और लोगों की उम्मीदों पर पानी फिर गया। ग्रामीण एसके कुमार, अपेंद्र कुमार, विनोद चौधरी सहित दर्जनों लोगों ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारियों के तहत प्रतीमा स्थल के आसपास स्थित करीब आधा दर्जन दुकानों और झोपड़ियों को हटाया गया था। इससे उन दुकानदारों और उनके परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। उनका कहना है कि यदि कार्यक्रम तय समय पर हो जाता तो यह परेशानी नहीं होती।

विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला की सफलता के लिए 21 कोषांग का गठन

पितृपक्ष मेला 2026 के सफल, स्वच्छ एवं श्रद्धालु–अनुकूल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां प्रारंभ की

प्रातः किरण संवाददाता

गया।पितृपक्ष मेला 2026 के सफल, स्वच्छ एवं श्रद्धालु-अनुकूल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। आगामी 25 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले इस धार्मिक आयोजन के सफल संचालन के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को दायित्व सौंपते हुए 21 कोषांगों का गठन किया गया है। प्रत्येक कोषांग के लिए वरीय नोडल पदाधिकारी, नोडल पदाधिकारी एवं सदस्य नामित किए गए हैं, जिन्हें समयबद्ध कार्ययोजना बनाकर सभी तैयारियां निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है। यह व्यवस्था श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ संपूर्ण मेला क्षेत्र में प्रभावी सामन्वय एवं सुचारु प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित करेगी।

पितृपक्ष मेला में धर्म-विदेश से लाखों श्रद्धालु एवं पिंडदानी अपने



पूर्वजों के निमित्त पिंडदान, तर्पण एवं श्राद्ध कर्म संपन्न करने गया पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए इस वर्ष प्रशासन ने आवासन, स्वच्छता, पेयजल, स्वास्थ्य, विद्युत, यातायात, सुरक्षा, सूचना प्रबंधन, प्रचार-प्रसार, आपदा प्रबंधन सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाने का निर्णय लिया है।

जिला पदाधिकारी गया शशांक शुभंकर ने जिला परिषद सभागार में सभी कोषांग के पदाधिकारियों एवं कोषांग में नामित समाजसेवियों के साथ आज पहली बैठक कर पूर्व वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष पितृपक्ष मेला

को और कैसे बेहतर बनाया जाए, इसपर विचार विमर्श करते हुए सभी से सुझाव प्राप्त किये गए। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष सभी पंडा पुरोहित गण, सभी समाजसेवी गण, सभी पदाधिकारियों के सहयोग से सफलतापूर्वक पितृपक्ष मेला सम्पन्न हुआ है। उन्होंने सभी को ध्यानवाद भी दिया है। पिछले वर्ष गया जी डैम में प्रवाहित पूजन सामग्रियों को नाव के माध्यम से पानी की सफाई की गयी थी, इसका अच्छा इमेक्ट पड़ा था, इसके अलावा लेकर शो के माध्यम से पिंडदान के महत्त्व को प्रसारित करवाया गया था। पिछले वर्ष अनेकों पिंड दानियों ने राज्य सरकार

द्वारा किये गए व्यापक व्यवस्थाओं को सराहना किया है। उन्होंने कहा कि नियमित कार्यों के अलावा और अलग अलग इनीवैटिव कार्य करके पितृपक्ष मेला को और कैसे बेहतर बनाया जाए, इसपर सभी से बारी बारी सुझाव प्राप्त किये गए।

जिला पदाधिकारी ने पितृपक्ष मेला 2026 के अवसर पर जिले वासियों से व्यापक प्रचार हेतु सुझाव आमंत्रित किए हैं सभी आम नागरिक अपना सुझाव पोर्टल पर साझा कर सकते हैं।

आवास की व्यापक व्यवस्था आवासन कोषांग को निर्देश दिया गया है कि होटल, धर्मशाला, गेस्ट हाउस, विद्यालय, महाविद्यालय एवं अन्य चिन्हित भवनों में श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त आवासीय व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। आवश्यकता के अनुसार टेंट सिटी, बिस्तर, चादर, पंखा, प्रकाश, पेयजल, शौचालय तथा चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक 200 से 500 मीटर की दूरी पर पेयजल की व्यवस्था

एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। सभी आवास स्थलों का पंजीकरण, डॉक्यूमेंटेशन तथा ऑनलाइन विवरण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को पारदर्शी एवं सुगम व्यवस्था मिल सके। निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी आवासन स्थल में जल जमाव नहीं रहे, इसे जरूर देखें। किसी भी हाल में जर्जर भवन को आवासन स्थल में शामिल नहीं किया जाए।

स्वच्छता एवं पेयजल पर विशेष जोर

मेला क्षेत्र के सभी प्रमुख मार्गों, गलियों, घाटों, वेदियों, तालाबों एवं सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। खुले नालों एवं मैनेहोल की मरम्मत, कूड़ेदान की पर्याप्त व्यवस्था, नियमित कचरा उठाव तथा प्लास्टिक अपशिष्ट का वैज्ञानिक निस्तेाण कराया जाएगा। श्रद्धालुओं को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक 200 से 500 मीटर की दूरी पर पेयजल की व्यवस्था

गेरैया गांव में सामूहिक भंडारे के साथ तीन दिवसीय श्री हनुमत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ संपन्न



प्रातः किरण संवाददाता

सिटी रिपोर्टर/वजीरगंज। प्रखंड के गेरैया गांव में तीन दिवसीय श्री हनुमत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का समापन बुधवार को सामूहिक भंडारे के साथ किया गया। सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु पीला वस्त्र धारण किये कलश लेकर सोमवार को गेरैया यज्ञ स्थल से पैमार नदी पहुंचे थे और कलश में गंगा जल भरकर यज्ञ स्थल पहुंचकर कलश

यात्रा से साथ मण्डप प्रवेश व अग्नि प्रज्वलन किया गया था। मंगलवार को वेदीपूजन, हवन व सर्वाधिवास एवंबुधवार को प्राण प्रतिष्ठा, हवन पूणाहुति, प्रवचन व ब्राह्मण विदाई केसाथ सामूहिक भंडारे का आयोजन किया गया। यह आयोजन गेरैया गांव में आयोजित किया गया , जिसके संयोजक सेवानिवृत्त आरक्षी अवधेश शर्मा एवं सभी वैदिक अनुष्ठान पुरोहित संजय पाण्डेय द्वारा किया जा रहा था। भंडारे के उपरांत संयोजक सेवानिवृत्त आरक्षी अवधेश शर्मा को नंदवंशी समाज के लोगों के द्वारा माला पहनाकर सम्मानित किया गया इस मौके पर पूर्व मुखिया पणू शर्मा ,मिथलेश शर्मा ,मनोज कुमार उर्फ विद्या सागर ,अनिल शर्मा ,प्रभाकर शर्मा,धर्मेद्र शर्मा ,शैलेन्द्र शर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु भंडारे का प्रसाद ग्रहण किये

सबलपुर कटावरोधी कार्य में तेजी के निर्देश 18 जुलाई तक चार परतों की बोल्डर पिचिंग एप्राॉन पूर्ण करने की समय-सीमा निर्धारित

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। सबलपुर में गंगा कटाव से बचाव के लिए चल रहे बोल्डर पिचिंग एवं कटावरोधी कार्यों का बुधवार को जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह के नेतृत्व में उच्चस्तरीय दल ने स्थलीय निरीक्षण किया। दल में अभियंता प्रमुख वरुण कुमार, मुख्य अभियंता गोपालगंज परिक्षेत्र प्रमोद कुमार, फ्लड फाइटिंग के चेयरमैन नावल किशोर सिंह, अधीक्षण अभियंता दिनेश कुमार, कार्यालयी अभियंता संतोष कुमार प्रभाकर, सहायक अभियंता धर्मेन्द्र कुमार, अपर समाहर्ता सारण, एडीएमओ सारण, अनुमंडल पदाधिकारी सोनपुर स्निग्धा नेहा, डीसीएलआर तथा अंचलाधिकारी राज कुमार सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि लूप संख्या 259 मीटर, 164मीटर, 163 मीटर, 291 मीटर, 70मीटर , 30 मीटर, 87 मीटर, 71 मीटर एवं 60 मीटर पर कार्य प्रगति पर है। शेष लूपों पर कार्य में तेजी



लाने के लिए संवेदक एम.एस.ए. कं स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक पवन मिश्रा को मजदूरों की संख्या 140 से बढ़ाकर 350 करने तथा 18 जुलाई तक बोल्डर पिचिंग की चारों परतें पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

स्थानीय ग्रामीणों ने कार्य की गुणवत्ता, शिथिलता एवं संसाधनों की कमी को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त कीं और डाउनस्ट्रीम के अन्य लूपों के निरीक्षण की मांग की। प्रधान सचिव ने शीघ्र ही पुनः क्षेत्र का दौरा करने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने अपस्ट्रीम

के सर्वाधिक संवेदनशील 164 मीटर लूप पर अविलंब कार्य प्रारंभ करने की भी मांग की।

विभागीय अधिकारियों एवं संवेदक ने स्थानीय लोगों से बोल्डर पिचिंग कार्य हेतु मजदूर उपलब्ध कराने में सहयोग का आग्रह किया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह, रिंग बांध निर्माण समिति के अध्यक्ष सह पूर्व मुखिया शाहपुर धर्मेन्द्र राय, समिति के उपाध्यक्ष सह भाजपा सोनपुर दक्षिणी मंडल के महामंत्री अविनाश कुमार, भाई भोला, रघुवीर राय तथा सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

दो जोड़े भालुओं ने जल संसाधन विभाग की कॉलोनी में मचाई तबाही, दहशत में लोग

■ **ऊपरी शिविर से ई-टाइप कॉलोनी तक किया विचरण, मुर्गी के दड़बे को नुकसान पहुंचाया और कई आवासों में मचाया उरुग**

प्रातः किरण संवाददाता

बागहा वाल्मीकिनगर स्थित जल संसाधन विभाग की कॉलोनियों में मंगलवार देर रात दो जोड़े जंगली भालुओं के प्रवेश से लोगों में दहशत फैल गई। भालुओं ने पहले ऊपरी शिविर स्थल तीन नंबर पाइड कॉलोनी में विचरण किया और रात करीब साढ़े 11 बजे निचले शिविर के ई-टाइप कॉलोनी पहुंचकर जमकर उल्टा मचाया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ई-टाइप कॉलोनी निवासी ब्रजकिशोर राउत



के आवासीय परिसर में घुसे भालुओं ने मुर्गी के दड़बे को उलट-पुलट दिया तथा मुर्गियों के पंख नोच डाले। इसके बाद भालू आवास की खिड़की के पास खड़े होकर खिड़की और दीवार पर जोर-जोर से मुक्के मारने लगे, जिससे परिवार के लोग भयभीत

सर्पदंश से एक महिला की हुई मौत

प्रातः किरण संवाददाता

दरियापुर।स्थानीय थाना क्षेत्र के हरपुर गांव में सुबह में खाना बनाने के लिए चूल्हा साफ करने के दौरान साँप के काटने से एक महिला की मौत हो गई।मृतका त्रिलोकी महतो की 60 वर्षीय पत्नी शियाकली देवी बताई जाती है।घटना के बाद मृतका के परिजनो में कोहराम मच गया है।बताया जाता है कि सुबह में वह खाना बनाने के लिए रसोईघर में झाड़ू लगा रही थी।इसी बीच जब वह चूल्हा साफ करने लगी तो उसी में छुपा सांप काट लिया।घर वाले अपने स्तर से घरेलू उपचार शुरू किए लेकिन उसकी तबीयत बिगड़ती जा रही थी।परिजन उसे स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार के लिए लेकर चले लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया।हालांकि परिजन उसे स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लेकर पहुंचे।लेकिन चिकित्सकों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया।इसके बाद परिजनो में रुदन क्रंदन मच गया।पूर्व जिला पार्षद राजनाथ राय समेत कई अन्य ने परिजनों को सांत्वना दी।इस घटना के बाद महिला के घर व गांव में मातम पसर गया है।

मेला क्षेत्र की सभी प्रमुख एवं संपर्क सड़कों, गलियों, नालियों एवं ड्रेनेज व्यवस्था की मरम्मत प्राथमिकता के आधार पर कराई जाएगी। क्षतिग्रस्त सड़कों, मैनेहोल एवं नालियों को दुरुस्त कर श्रद्धालुओं के आवागमन को सुरक्षित एवं सुगम बनाया जाएगा।

पूरे मेला क्षेत्र में निर्बांध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए खराब ट्रांसफॉर्मर, जर्जर विद्युत तार एवं पोल की मरम्मत की जाएगी। अतिरिक्त स्ट्रीट लाइट एवं हाईमास्ट लाइट स्थापित की जाएंगी।



गाया जी गया जिला भाजपा महिला मोर्चा नेत्री पम्मी सिंह के शादी की सालगिरह पर बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार एवं गया जिला के कलाकार विवेक मिश्रा उर्फ भूषण मिश्रा,उत्तरी मंडल भाजपा कमेटी ने उनके उज्ज्वल भविष्य कि कामना किया है

संगठनात्मक व्यवस्था के तहत हम (से.) का जिला कार्यालय बदला, नए कार्यालय की घोषणा जल्द : टूटू खान

गयाजी हिन्दुस्तानी अवाग मोर्चा (से.) गयाजी जिला अध्यक्ष टूटू खान ने कहा कि संगठनात्मक एवं प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सुरहीर मोड़, भुसंडा स्थित जिला पार्टी कार्यालय को 08 जुलाई, 2026 से तत्काल प्रभाव से बंद करके का निर्णय लिया गया है।

जिला अध्यक्ष टूटू खान ने स्पष्ट किया कि आज की तिथि से सुरहीर मोड़, भुसंडा स्थित परिसर हिन्दुस्तानी अवाग मोर्चा (से.), गया जिला इकाई का अधिकृत जिला कार्यालय नहीं रहेगा। इसलिए वहां किसी भी प्रकार की पार्टी बैठक, सदस्यता अभियान, पत्राचार अथवा अन्य संगठनात्मक गतिविधि आयोजित नहीं की जाएगी।इन्होंने बताया कि नए जिला कार्यालय की अधिकारिक घोषणा होने तक पार्टी से संबंधित सभी संगठनात्मक कार्य, जनसमस्याओं के समाधान, आवेदन, सुझाव, बैठक एवं आवश्यक मार्गदर्शन के लिए कार्यकर्ता एवं आमजन गया गोदावरी कार्यालय में उनसे संपर्क कर सकते हैं।टूटू खान ने जिले के सभी पदाधिकारियों, प्रखंड एवं पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों तथा पार्टी समर्थकों से संगठन के इस निर्णय का पूर्ण पालन करने और किसी भी प्रकार के भ्रम से बचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नए जिला कार्यालयकी सूचना संगठन द्वारा शीघ्र ही आधिकारिक रूप से जारी की जाएगी।इन्होंने कहा कि हिन्दुस्तानी अवाग मोर्चा (से.) संगठनात्मक अनुशासन, सामाजिक न्याय और जनसेवा के मूल सिद्धांतों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। संगठन का प्रत्येक निर्णय पार्टी के हित, कार्यकर्ताओं के सम्मान और जनता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लिया जाता है। उन्होंने विस्वास जताया कि सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता संगठन की एकता और मजबूती के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करते रहेंगे।

जदयू जिला कार्यालय में जितेंद्र पटेल के प्रदेश सचिव बनने पर किया गयाभव्य स्वागत

अरवल: जिला जदयू कार्यालय में जदयू के प्रदेश सचिव बनने पर श्री जितेंद्र पटेल जी का माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया।इस अवसर पर जदयू जिलाध्यक्ष श्री अनंत वर्मा,सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने जितेन्द्र पटेल को बधाई दी और पार्टी को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। इस मौके पर उपस्थित जदयू जिलाध्यक्ष अनंत वर्मा, गणेश चंद्रवंशी, युद्ध पटेल, जितेंद्र कुशवाहा, सुजीत कुशवाहा, रामकिशोर वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदेश सचिव जितेंद्र पटेल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाऊंगा।



पूरी रात दहशत में रहे।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इन दिनों क्षेत्र में आम पकने के कारण भालू भोजन की तलाश में जंगल से निकलकर कॉलोनियों में पहुंच रहे हैं। जानकारों के मुताबिक, वाल्मीकिनगर की जल संसाधन कॉलोनियों में भालू अब रात ही नहीं बल्कि दिन के समय भी स्वतंत्र रूप से घूमते हुए देखे जा रहे हैं, जिससे किसी भी घटना की आशंका बनी हुई है।

रंजैर सत्यम कुमार ने बताया की इस तरह की घटना की हैले तुरन्त जानकारी दे,मॉनसुन गर्मी बढ़ा दी गई है, गर्‍शी टीम रात्रि पहर मे भी कॉलोनि‍यों के चक्कर लगाएंगी,ताकि इस तरह की घटना पर नजर रखी जा सके। ईंधर,कॉलोनी वासियों ने वन विभाग से रात्रि गश्त बढ़ाने, भालुओं की गतिविधि देखी गई।